दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

वर्षः 30 | अंकः 247 | भोपाल, रविवार 21 सितंबर 2025 | पृष्ठः 08 | मूल्यः 1 रुपए

पीक-ऑवर्स में 440 मेगावॉट की सप्लाई होगी सुनिश्चित

मुरैना 'सोलर-प्लस-स्टोरेज' परियोजना ने ग्रीन ऊर्जा और स्टोरेज को दी नई दिशाः मुख्यमंत्री

देश की पहली 'सोलर-प्लस-स्टोरेज' परियोजना बनी मिसाल, मिला ऐतिहासिक न्यूनतम 2.70 रुपये प्रति यूनिट टैरिफ रेट

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ छू रहा है। मुरैना की यह परियोजना 'सेवा पखवाड़ा' के दौरान राष्ट्र को समर्पित है। उन्होंने कहा कि मुरैना सोलर प्लस स्टोरेज परियोजना से पूरे देश में ग्रीन ऊर्जा उत्पादन और स्टोरेज की नई राह खुलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुरैना परियोजना में प्राप्त की गई सफलता के आधार पर लंबे समय की ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के लिए संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि परियोजना में प्राप्त किया गया कम टैरिफ प्रदर्शित करता है कि नवकरणीय ऊर्जा भी डिस्कॉम के लिए अधिक किफायती हो सकता है।

मध्यप्रदेश ने नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में गत् दिवस प्राप्त निविदा में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। मुरैना में विकसित हो रही प्रदेश की पहली 'सोलर-प्लस-स्टोरेज' परियोजना में 2.70 रुपये प्रति यूनिट, अब तक की सबसे कम टैरिफ दर प्राप्त हुई है। यह देश की पहली परियोजना है, जिसमें 3 रुपये प्रति यूनिट से कम पर फर्म और डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी उपलब्ध होगी। यह परियोजना 95 प्रतिशत वार्षिक उपलब्धता के साथ भारत की पहली 'सोलर-प्लस-स्टोरेज' परियोजना बन गई है। अब तक देशभर की परियोजनाओं में केवल 50 प्रतिशत पीक ऑवर्स उपलब्धता और 85 प्रतिशत वार्षिक उपलब्धता सुनिश्चित हो पाती थी। मुरैना परियोजना इस ट्रेंड को बदलते हुए पीएम ऑवर्स में 95 प्रतिशत आपूर्ति के नए मानक स्थापित करेगी। मुरैना परियोजना दो परियोजनाओं का मिश्रण है, जिसमें पहलाएक सामान्य सिंगल-चार्ज कम्पोजिट सोलर प्रोजेक्ट,जिसमें बैटरी को सोलर एनर्जी से चार्ज जाता है।दूसरा स्टोरेज एज ए सर्विस प्रोजेक्ट है, जिसमें अतिरिक्त ग्रिड पॉवर से रात के समय बैटरी दोबारा चार्ज की जाएगी।

इससे सुबह के पीक ऑवर्स की आपूर्ति की जाएगी। इस परियोजना का सबसे बड़ा लाभ यह है कि बैटरी, दिन में दो बार उपयोग की जाएगी। यह परियोजना सुनिश्चित करती है कि राज्य ग्रिड में उपलब्ध रात के समय अतिरिक्त बिजली का उपयोग सुबह की पीक ऑवर्समें विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा। मुरैना परियोजना पीक ऑवर्सऔर दिन के समय में समान स्तर की आपूर्ति (प्रत्येक इकाई से 220 मेगावाट) के लिए एक बेंचमार्क स्थापित करती है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि यह द्वारा नियोजित भविष्य की परियोजनाओं का मार्ग प्रशस्त करता है जो दिन और रात के समय एक फ्लेटप्रोफाईलकी बिजली की आपूर्ति करते हुए एक ऐसीपरियोजना की आधारशिला रखेगी जो पूरे 24 घंटों के लिए समान स्तर की बिजली की आपूर्ति करे। यह नवकरणीय ऊर्जा को पारंपरिक ऊर्जा के समान निश्चितता प्रदान करेगा और इसे तकनीकी और व्यावसायिक रूप से समतुल्य बना देगी।

परियोजना की संरचना और क्षमता

मुरैना सोलर पार्क को रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड द्वारा क्रियान्वित किया गया है, जिसने पहले भी प्रतिष्ठित नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को विकसित किया है। मुरैना परियोजना से उत्पादित बिजली राज्य द्वारा खरीदी जाएगी। मुरैना सोलर पार्क में 2 यूनिट स्थापित की जा रही हैं, प्रत्येकइकाई से तीनों चरणों में 220 मेगावॉट क्षमता ऊर्जा का उत्पादन होगा।

पहला चरणः वास्तविक समय पर सौर ऊर्जा (220 मेगावॉट तक), दूसरा चरणः शाम के पीक ऑवर्स में 2 घंटे (बैटरी में संचित सौर ऊर्जा से), तीसरा चरणः सुबह के पीक ऑवर्स में 2 घंटे (रात्रि में ग्रिड से चार्ज बैटरी से)

हर जगह लोग मुझे शॉल देते हैं सोचता हूं शॉल की दुकान खोल लूंः शुभांशु शुक्ला

एजेंसी | नई दिल्ली

एक कार्यक्रम में भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन और अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का सम्मान किया गया। इस मौके पर उन्होंने अंतरिक्ष से वापसी के बाद के अपने अनुभव साझा किए और श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। उन्होंने कहा कि हाल ही में उन्हें कई सेमिनारों और व्याख्यानों में आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि हर जगह लोग मुझे शॉल भेंट करते हैं। इतने शॉल जमा हो गए हैं कि कभी-कभी सोचता हूं कि शॉल की दुकान खोल लूं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा और उनकी इस बात पर कार्यक्रम तालियों और ठहाके गूंज उठे। कार्यक्रम में मौजूद लोगों को शुभांशु ने अंतरिक्ष से कैद किए गए एक अद्भुत वीडियो भी दिखाया, जिसमें सूर्योदय का दृश्य था। उन्होंने कहा कि कल्पना कीजिए, अंतरिक्ष में रहकर आप ऐसा सूर्योदय दिन में 16 बार देख सकते हैं और फिर जब धरती पर लौटते हैं, तो आपको शॉल भी मिलते हैं।

उनकी यह बात सुनकर दर्शक फिर हंसने लगे। शुभांशु हाल ही में उस ऐतिहासिक दल का हिस्सा रहे, जिसने भारत की ओर से अंतरिक्ष यात्रा की। उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष से धरती को देखने का अनुभव शब्दों में बयां करना मुश्किल है।

इंदौर समेत प्रदेश के 22 जिलों में बारिश; 4 दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

भोपाल में कलियासोत डैम और कोलार डैम के 2-2 गेट खोले

अब तक 117 प्रतिशत बारिश हो चुकी

प्रदेश में इस मानसूनी सीजन में औसत 43.5 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य बारिश से 7.5 इंच ज्यादा है। गुना में सबसे ज्यादा 65 इंच, जबकि खरगोन में सबसे कम 26.2 इंच बारिश हुई है। इधर, कई जिलों में तेज बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग के अनुसार, अब तक सामान्य बारिश से 17 प्रतिशत पानी ज्यादा गिर चुका है। वैज्ञानिकों का मानना है कि आखिरी सप्ताह में पूरे प्रदेश में तेज बारिश का एक और दौर शुरू हो सकता है।

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मध्यप्रदेश में शनिवार को भी बारिश का दौर जारी रहा। भोपाल, इंदौर समेत प्रदेश के 22 जिलों में बारिश हुई। नर्मदापुरम में सबसे ज्यादा 1 इंच, नरसिंहपुर, शिवपुरी-खरगोन में आधा इंच पानी गिरा। भोपाल, शाजापुर, आगर-मालवा, सीहोर, देवास, राजगढ़, विदिशा, धार, इंदौर, उज्जैन, छिंदवाड़ा, दमोह, रीवा, बालाघाट, बड़वानी, मऊगंज, गुना, डिंडौरी में भी बारिश हुई। भोपाल में सुबह से बादल छाए रहे। यहां रुक-रुककर बारिश हो रही है। कोलार और कलियासोत के दो-दो गेट खोले गए है। जबकि भदभदा डैम का एक गेट खोला गया है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-दक्षिण ट्रफ एमपी से गुजर रही है। वहीं, उत्तरी-दक्षिणी हिस्से में दो चक्रवात भी एक्टिव है, लेकिन यह स्ट्रॉन्ग नहीं है। इस वजह से अगले चार दिन तक भारी बारिश का दौर नहीं रहेगा। हालांकि, लोकल सिस्टम के सक्रिय होने से कहीं-कहीं तेज बारिश भी हो सकती है। मंडीदीप क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से बेतवा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। गुराड़िया पुल पर पानी भर जाने से करीब 12 गांवों का संपर्क नगर से टूट गया है।

संक्षिप्त समाचार

मंधाना फास्टेस्ट वनडे सेंचुरी लगाने वाली भारतीय बनीं

नई दिल्ली एजेंसी। स्मृति मंधाना ने वनडे क्रिकेट इतिहास में भारत से सबसे तेज सेंचुरी लगा दी। नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में शनिवार को उन्होंने महज 50 गेंद पर शतक लगाया। विमेंस वनडे में उन्होंने खुद के ही 70 बॉल पर सेंचुरी के रिकॉर्ड को सुधारा। यह विमेंस वनडे में ओवरऑल दूसरा सबसे तेज शतक रहा। ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग 45 गेंद पर सेंचुरी लगा चुकी हैं। इंडिया विमेंस फिलहाल ऑस्ट्रेलिया के सामने 413 रन के टारगेट का पीछा कर रही है। टीम ने 24 ओवर के बाद 5 विकेट खोकर 235 रन बना लिए हैं। प्रतिका रावल और हरलीन देओल के विकेट के बाद हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना ने सेंचुरी पार्टनरशिप की। हालांकि, हरमन 52 और मंधाना 125 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं।

मोहनलाल को दादा साहब फाल्के अवॉर्ड मिलेगा

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सम्मान दादा साहब फाल्के अवॉर्ड का ऐलान हो गया है। इस साल यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार और कंप्लीट एक्टर कहे जाने वाले मोहनलाल को दिया जाएगा। भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने शनिवार को यह घोषणा की। मोहनलाल पिछले चार दशक से फिल्मों में सक्रिय हैं। मोहनलाल ने केवल मलयालम ही नहीं, तमिल, तेलुगु, हिंदी और कन्नड़ फिल्मों में भी काम किया है। 1980 के दशक में मंजिल विरिंजा पूक्कल से करियर की शुरुआत करने वाले मोहनलाल ने लगभग 350 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया है। मोहनलाल के करीबियों का कहना है कि वे इस अवॉर्ड की घोषणा से बेहद भावुक हो गए।

दिल्ली-एनसीआर के आसमान में दिखे रहस्यमयी चमकते गोले, एक्सपर्ट बोले- ये उल्का पिंड नहीं

एजेंसी | नई दिल्ली

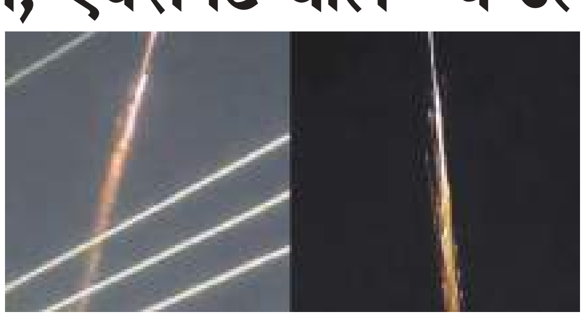

शुक्रवार की रात दिल्ली-एनसीआर के आसमान में अचानक कई चमकते गोले दिखाई दिए। नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद और अलीगढ़ समेत कई जगहों पर लोगों ने इस नजारे को देखा। तेज रोशनी से आंखें चौंधिया गईं और कई लोगों ने इसे टूटते तारों जैसा माना। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किए, जो अब तेजी से वायरल हो रहे हैं। आसमान में अचानक दिखे चमकते गोलों को लेकर विशेषज्ञों ने जो बताया वह वाकई चौंकाने वाला है। विशेषज्ञों ने इन रोशनी के पीछे का सच स्पष्ट किया है। नेहरू तारामंडल के वरिष्ठ इंजीनियर ओपी गुप्ता के हवाले से मीडिया में बताया गया, कि यह नजारा किसी उल्कापिंड की बारिश या टूटते तारे का नहीं, बल्कि सैटेलाइट का मलबा था। जयपुर तारामंडल से भी इस घटना को देखा गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नेहरू तारामंडल की खगोलविद प्रेरणा चंद्रा ने भी पुष्टि की है कि यह उपग्रह का मलबा था, जो पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने के बाद जलने लगा। गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो फुटेज में आग के गोले जैसे चमकते निशान दिखाई दे रहे हैं, जो धीरे-धीरे छोटे-छोटे टुकड़ों में बिखरते नज़र आए। कई यूजर्स ने इसे अब तक का सबसे चमकीला उल्कापिंड बताया, लेकिन विशेषज्ञों ने साफ किया कि यह मानव निर्मित उपग्रह के अवशेष थे, उल्का पिंड नहीं।

जब एक जज ने मुस्लिम बहुल क्षेत्र को पाकिस्तान कहा- असहज हुए पूर्व सीजेआई

एजेंसी | नई दिल्ली

पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने अपने अनुभवों को साझा कर महत्वपूर्ण घटना का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कर्नाटक हाई कोर्ट के एक जज ने एक मुस्लिम बहुल क्षेत्र को पाकिस्तान कहा था। इस बयान से सीजेआई चंद्रचूड़ असहज महसूस हुए और उन्होंने मामले का स्वतः संज्ञान लिया। एक इंटरव्यू में पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने बताया कि घटना कर्नाटक हाई कोर्ट में मोटर वाहन अधिनियम से संबंधित एक मामले की सुनवाई के दौरान हुई थी। एक जज ने सुनवाई के दौरान एक विशेष पुल के आगे के क्षेत्र को पाकिस्तान बता दिया। यह बात जस्टिस चंद्रचूड़ को वीडियो के द्वारा पता चली। उन्होंने गंभीरता से लेकर पांच जजों की एक बेंच बनाई और मामले पर नोटिस जारी किया। इसके बाद जस्टिस चंद्रचूड़ ने संक्षिप्त फैसला दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि किसी भी जज को भारत के किसी भी हिस्से को ऐसा नहीं कहना चाहिए।

राहुल का पीएम मोदी पर हमलाः मैं फिर कह रहा हूं, भारत के पास कमजोर प्रधानमंत्री

एजेंसी | नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा कदम उठाकर कहा कि अमेरिकी कंपनियों को अब विदेशी कर्मचारियों के लिए एच-1बी वीजा पाने के लिए अमेरिकी सरकार को 1,00,000 डॉलर का भुगतान करना होगा। ट्रंप के इस फैसले के बाद कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधकर कहा, मैं फिर दोहराता हूँ, भारत के पास एक कमजोर प्रधानमंत्री है। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लिखा कि पीएम मोदी ने बर्थडे पर जो रिटर्न गिफ्ट दिया है उससे हर भारतीय दुखी हुआ है। भारतीय राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हैं। गले मिलना, खोखले नारे लगाना, संगीत कार्यक्रम आयोजित करना और लोगों से मोदी-मोदी का नारा लगवाना विदेश नीति नहीं है! विदेश नीति हमारे राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने, भारत को सर्वोपरि रखने और समझदारी व संतुलन के साथ मित्रता निभाने के बारे में है। इस केवल दिखावटी दिखावा नहीं माना जा सकता जिससे हमारी दीर्घकालिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ गया हो। एच-1वी वीजा पर 100,000 डालर का वार्षिक शुल्क, भारतीय पेशेवरों को सबसे ज़्यादा प्रभावित करता है, 70 प्रतिशत एच-1वी वीजा धारक भारतीय हैं।

कंपनी ने लिखवाया-लोन नहीं भरा, घर-जमीन सब रख लो

परिवार ने खाया जहर, पिता-बेटे की मौत छतरपुर में ट्रैक्टर की किस्त नहीं भरी थी

नगर प्रतिनिधि | छतरपुर

छतरपुर में एक ही परिवार के 4 लोगों ने जहर खा लिया। इसमें किसान प्रकाश अहिरवार (35) उनके दो वर्षीय बेटे निहाल की मौत हो गई। पत्नी नंदिनी (29) और बड़े बेटे तनिष्क का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। घटना ओरछा रोड थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात की है। प्रकाश ने खेती के लिए ट्रैक्टर कर्ज पर लिया था। लगातार फसल खराब होने के कारण वे किस्त नहीं चुका पाए। दो दिन पहले ट्रैक्टर कंपनी के कर्मचारी घर पहुंचे और 30-40 हजार रुपए की किश्त जमा करने का दबाव बनाया। किस्त नहीं चुकाने पर ट्रैक्टर ले जाने की धमकी भी दी गई थी। परिजन के मुताबिक, प्रकाश रात में टीवी सुधरवा कर लेकर आया। इसके बाद परिवार ने साथ खाना खाया। बाकी के लोग सो गए। कुछ देर में पता चला कि प्रकाश को पेट में तेज दर्द होने लगा। हमें लगा साधारण दर्द होगा।

गंगा की सहायक नदियों को साफ करने में जुटा केंद्र

नई दिल्ली। गंगा की सहायक नदियों को साफ करने की मोदी सरकार की योजना में उत्तराखंड के जिलों से प्रस्ताव मांगे गए हैं। पहल के तहत, राज्य स्वच्छ गंगा मिशन ने जिलों से सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और नालों की टैपिंग से जुड़े प्रस्ताव मांगे हैं। ये प्रस्ताव गंगा की सहायक नदियों में प्रदूषण को रोकने के लिए हैं। इस योजना का मुख्य लक्ष्य गंगा की सहायक नदियों को भी नमामि गंगे कार्यक्रम में शामिल करके उन्हें साफ करना है। उत्तराखंड के सभी जिलों से एसटीपी निर्माण और नालों की टैपिंग से जुड़े प्रस्ताव मांगे गए हैं, ताकि सहायक नदियों में गंदा पानी जाने से रोका जा सके। हरिद्वार में 2027 में होने वाले अर्द्धकुंभ को देखते हुए भी विशेष रूप से प्रस्ताव मांगे गए हैं।

सऊदी अरब को परमाणु हथियार देगा पाकिस्तान

पाक रक्षा मंत्री बोले- भारत से जंग हुई तो सऊदी साथ देगा, 2 दिन पहले हुई डिफेंस डील

एजेंसी | इस्लामाबाद

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान अपने न्यूक्लियर हथियार सऊदी अरब के साथ शेयर करेगा। दोनों देशों के बीच बुधवार को एक रक्षा समझौता हुआ था, जिसके तहत अगर किसी एक देश पर हमला होता है, तो इसे दोनों पर हमला माना जाएगा। आसिफ ने पाकिस्तानी न्यूज जियो टीवी को दिए साक्षात्कार में कहा, हमारी परमाणु क्षमता पहले से अच्छी है। यह समझौता दोनों देशों को एक-दूसरे की रक्षा करने का वादा करता है। हमारे पास युद्ध के लिए ट्रेंड सेनाएं हैं।

हमारे पास जो क्षमताएं हैं, वे इस समझौते के तहत निश्चित रूप से उपलब्ध होंगी। जब आसिफ से पूछा गया कि अगर भारत और पाकिस्तान में जंग होती है तो क्या सऊदी अरब इसमें पाकिस्तान की तरफ से शामिल होगा? इस पर ख्वाजा आसिफ ने कहा, बिल्कुल, इसमें कोई शक की बात नहीं है। हालांकि, उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया।

आसिफ बोले- हमले के लिए नहीं, रक्षा के लिए इस्तेमाल होगा

आसिफ ने कहा कि इस समझौते का इस्तेमाल किसी हमले के लिए नहीं, बल्कि रक्षा के लिए किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब ने पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम को आर्थिक मदद दी है। पाकिस्तान के पास करीब 170 परमाणु हथियार हैं, जो भारत के 172 हथियारों के लगभग बराबर हैं। आसिफ ने आगे कहा कि न तो सऊदी अरब ने किसी खास देश का नाम लिया और न ही हमने किसी का नाम लिया। यह बस एक अम्ब्रेला है जो दोनों को मिला है, जिसमें नियम है कि किसी एक पर भी हमला होता है तो दोनों मिलकर उसका जवाब देंगे। आसिफ ने यह भी कहा कि यह कोई आक्रामक समझौता नहीं, बल्कि रक्षा व्यवस्था है।

विदेश मंत्री बोले- पाक दूसरे देशों के साथ भी ऐसी डिफेंस डील करेगा

पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा कि सऊदी अरब के साथ हुए ऐतिहासिक रक्षा समझौते के बाद कई देशों ने पाकिस्तान के साथ ऐसे ही रणनीतिक रक्षा समझौते करने में रुचि दिखाई है। लंदन में पत्रकारों से बात करते हुए डार ने कहा कि अभी जल्दी है कुछ कहना, लेकिन इस समझौते के बाद अन्य देशों ने भी इस तरह की व्यवस्था की इच्छा जताई है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे समझौते एक नियम के तहत ही तय होते हैं। सऊदी अरब के साथ समझौते को अंतिम रूप देने में ही कई महीने लगे थे।

सऊदी-पाक डिफेंस कॉर्पोरेशन डेवलप करेंगे

बुधवार को हुए समझौते पर दोनों देशों ने एक जॉइंट स्टेटमेंट में कहा कि यह समझौता दोनों देशों की सुरक्षा बढ़ाने और विश्व में शांति स्थापित करने की प्रतिबद्धता को दिखाता है। इस समझौते के तहत दोनों देशों के बीच डिफेंस कॉर्पोरेशन भी डेवलप किया जाएगा। रॉयटर्स के मुताबिक इस समझौते के तहत मिलिट्री सहयोग किया जाएगा। इसमें जरूरत पड़ने पर पाकिस्तान के परमाणु हथियारों का इस्तेमाल भी शामिल है।

संपाकीय

दशकों बाद ऐसी तबाही, अपनी गलतियों के लिए प्रकृति पर नहीं उतारें गुस्सा

मानसून अभी लौट ही रहा था कि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से तबाही मच गई। इस मौसम में कई राज्यों में मूसलाधार बारिश और बाढ़ ने सैकड़ों नागरिकों का जीवन तो बेहाल किया ही, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं से निजी एवं सार्वजनिक संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा। कई लोगों की जान चली गई। फसलों का भी नुकसान हुआ। दशकों बाद पंजाब ने सबसे बुरा दौर देखा। कोई दोराय नहीं कि जलवायु परिवर्तन का प्रतिकूल प्रभाव भारत में भी दिखने लगा है। ऋतु चक्र बिगड़ने से अधिक गर्मी पड़ने के साथ अब बेतहाशा बारिश भी होने लगी है। इस बार उत्तराखंड में 1,343.2 मिलीमीटर बारिश हुई, जो कि सामान्य से बाईस फीसद अधिक है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश में 1,010.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। यह सामान्य से छियालीस फीसद अधिक रही। भारतीय मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के लगातार सक्रिय रहने को इस अतिरिक्त बारिश का कारण बताया है। मगर इस विक्षोभ की निरतंरता को समझने की जरूरत है। हालांकि, मध्य भारत में भी इस बार सामान्य से दस फीसद अधिक बारिश हुई है, लेकिन हिमालयी राज्यों में अधिक बारिश क्या प्रकृति की चेतावनी है, जिसकी हम लगातार उपेक्षा करते आए हैं। मौसम का मिजाज बिगड़ने की सबसे बड़ी वजह यह है कि मनुष्य प्रकृति को संरक्षित करने के बजाय उसे लगातार क्षति पहुंचा रहा है। अपनी सुविधा के लिए पहाड़ों को लगातार छलनी किया जा रहा है। शहरों से पर्यटन के लिए जाने वाले लोगों के लिए वहां एक के बाद एक निर्माण से भी स्थितियां गंभीर हुई हैं। रही-सही कसर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई ने पूरी कर दी है। नतीजा पहाड़ इतने कमजोर हो गए हैं कि भारी बारिश और बादल फटने पर वे खुद को संभाल नहीं पाते और फिर भयावह मंजर सामने आता है। मैदानों के रिहाइशी इलाके तो उजड़ते ही हैं, राजमार्ग तक बह जाते हैं। हम भले ही विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं, मगर अब इसकी कीमत भी चुकानी पड़ रही है। ऐसे में प्रकृति के संरक्षण के लिए एक सीमा रेखा तो खींचनी ही होगी। नतीजतन, समाज से लेकर सरकार तक की बहुस्तरीय लापरवाही के शिकार हमारे मासूम हो रहे हैं।

मोदी- सेवा प्रथम भाव से ओतप्रोत नेतृत्व

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भारतीय जनमानस पर प्रभाव बहुत गहरा और व्यापक है। उनकी लोकप्रियता और राजनीतिक कौशल कई मायनों में अद्वितीय हैं। वह एक प्रभावी वक्ता हैं जो अपने शब्दों से लोगों को प्रभावित करते हैं। वह एक कुशल राजनीतिक रणनीतिकार हैं। जनता के व्यापक समर्थन से प्रधानमंत्री ने भारत में आर्थिक सुधार के लिए कई साहसिक कदम उठाए हैं जिनमें जीएसटी और नोटबंदी प्रमुख है। इन आर्थिक सुधारों ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद की है। जनता में उनके समर्थन और उनके प्रति अनुसरण के भाव को स्वच्छ भारत अभियान और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों में देखा जा सकता है जिन पर पूरे देश में उन्हें जनसमर्थन प्राप्त हुआ है।मन की बात में गाँव के किसी साधारण श्रमिक की कहानी या कोविड-19 में फंटलाइन वर्कर्स का अभिनंदन कर उन्होंने यह दिखाया कि हर योगदान मायने रखता है।

(शिवप्रकाश)

नरेन्द्र मोदी के जीवन की कहानी संघर्ष और समर्पण की एक प्रेरणादायक गाथा है। वह एक ऐसे नेता हैं जिन्होंने अपने अद्वितीय नेतृत्व और विराट व्यक्तित्व से भारत को एक नई दिशा प्रदान की है। उनकी नेतृत्व क्षमता, दूरदर्शिता और जनसमर्थन ने उन्हें एक प्रभावशाली नेता बनाया है।?

अंतरराष्ट्रीय, क्षेत्रीय और द्विपक्षीय तनावों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के असाधारण नेतृत्व में भारत की विकास गाथा को देख पूरी दुनिया के रणनीतिकार न केवल आश्चर्यचकित हैं बल्कि आशावान? भी है कि भविष्य में वैश्विक संकटों का समाधान भी भारत भूमि से ही प्रकट होगा। शांति काल, युद्ध काल या आपदा काल में समभाव बनाए रखते हुए जिस प्रकार से अब तक प्रधानमंत्री मोदी ने सटीक तथा लक्षित रणनीति के साथ समाधान प्रस्तुत किये हैं, उसने वैश्विक स्तर पर भरोसा और दृढ़ किया है। नरेन्द्र मोदी के जीवन की कहानी संघर्ष और समर्पण की एक प्रेरणादायक गाथा है। वह एक ऐसे नेता हैं जिन्होंने अपने अद्वितीय नेतृत्व और विराट व्यक्तित्व से भारत को एक नई दिशा प्रदान की है। उनकी नेतृत्व क्षमता, दूरदर्शिता और जनसमर्थन ने उन्हें एक प्रभावशाली नेता बनाया है।? वह एक मजबूत नेता हैं जो अपने निर्णयों पर अडिग रहते हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता ने उन्हें भारत और विश्व के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक बनाया है। प्रधानमंत्री एक दूरदर्शी नेता हैं जो भारत के भविष्य को लेकर आशान्वित हैं। मेक इन इंडिया जैसी अनेक महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की उन्होंने शुरुआत की है। जो भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में मदद करेंगी। जनता से मिले व्यापक समर्थन, लोकप्रियता और उनके व्यक्तित्व के अद्भुत प्रभाव ने उन्हें एक दृढ़ निश्चयी नेता बनाया है जो कठोरतम निर्णयों को भी सहज भाव में लागू करने में सक्षम हैं। नरेन्द्र मोदी का विराट व्यक्तित्व उनकी नेतृत्व क्षमता, दूरदर्शिता और जनसमर्थन का परिणाम है। उन्होंने अपने जीवन में कई चुनौतियों का सामना किया है और उन्हें पार किया है, जो उनकी मजबूत इच्छाशक्ति और संकल्प को दर्शाता है। नरेन्द्र मोदी जी का आरंभिक जीवन गुजरात के एक छोटे से शहर वडनगर में बीता। पिता दामोदर दास मूलचंद मोदी और माता हीराबेन के परिवार में 17 सितंबर 1950 को उनका जन्म हुआ। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य थी और पिता चाय की एक दुकान चलाते थे। अपनी स्कूली शिक्षा वडनगर में पूरी की और बाद में उन्होंने गुजरात विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। छात्र जीवन से ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ गए और उन्होंने संघ के साथ अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। नरेन्द्र मोदी जी का पूरा जीवन निस्वार्थ सेवा भाव में ही गुजरा है और आज भी विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के शीर्ष पद पर विराजमान होने के बावजूद उनका यह भाव जीवंत है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भारतीय जनमानस पर प्रभाव बहुत गहरा और व्यापक है। उनकी लोकप्रियता और राजनीतिक कौशल कई मायनों में अद्वितीय हैं। वह एक प्रभावी वक्ता हैं जो अपने शब्दों से लोगों को प्रभावित करते हैं। वह एक कुशल राजनीतिक रणनीतिकार हैं

। जनता के व्यापक समर्थन से प्रधानमंत्री ने भारत में आर्थिक सुधार के लिए कई साहसिक कदम उठाए हैं जिनमें जीएसटी और नोटबंदी प्रमुख है। इन आर्थिक सुधारों ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद की है। जनता में उनके समर्थन और उनके प्रति अनुसरण के भाव को स्वच्छ भारत अभियान और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों में देखा जा सकता है जिन पर पूरे देश में उन्हें जनसमर्थन प्राप्त हुआ है।मन की बात में गाँव के किसी साधारण श्रमिक की कहानी या कोविड-19 में फ्रंटलाइन वर्कर्स का अभिनंदन कर उन्होंने यह दिखाया कि हर योगदान मायने रखता है। कोविड-19 महामारी के कठिन समय में नरेंद्र मोदी की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने केवल प्रशासनिक स्तर पर ही नहीं, बल्कि भारतीय मन की गहराई को समझते हुए जनता का मनोबल बनाए रखा। जब भय और असुरक्षा का वातावरण था, तब उन्होंने सरल प्रतीकों और सांस्कृतिक जुड़ावों के माध्यम से लोगों में सामूहिक ऊर्जा जगाई। थाली और ताली बजाने का आह्वान इस बात का उदाहरण था कि उन्होंने भारतीय समाज की उस प्रवृत्ति को पहचाना जहाँ किसी उत्सव या चुनौती में ध्वनि और प्रतीकात्मक कर्मकांड से एकता और संकल्प का संदेश मिलता है। यह ठीक वैसा ही था जैसा महात्मा गांधी ने चरखे को स्वदेशी आंदोलन का प्रतीक बनाया था–साधारण कर्म से गहरा संदेश। वोकल फॉर लोकल जैसी पहल, हस्तशिल्प को वैश्विक मंच पर ले जाना और राज्य स्तरीय अनेक पहल को केंद्र की योजनाओं से जोड़ना इस सोच का उदाहरण हैं।

विश्व में वह एक मजबूत नेता के तौर पर उभरे हैं। राष्ट्र के हितों को सर्वोपरि मानते हुए उन्होंने जिस तरह के अमेरिकी टैरिफ मसले पर रणनीति अपनाई है उसने पूरे विश्व को दिखा दिया है कि भारत राष्ट्र हितों पर किसी के आगे झुकने को तैयार नहीं है। विभिन्न देशों के बीच सामंजस्य बनाने का प्रधानमंत्री के पास एक अद्वितीय कौशल है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी उनकी कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा था कि उन्हें लगता है कि मोदी 24 घंटे देश के लिए काम करते हैं। यह कथन उनकी असाधारण कार्यक्षमता और समर्पण को दर्शाता है। उनकी विदेश नीति और कूटनीतिक प्रयासों ने भारत को वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण भूमिका दिलाई है। उन्होंने ग्लोबल साउथ के देशों के साथ संबंधों को मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और जी- 20 जैसे वैश्विक मंचों पर भारत की आवाज को बुलंद किया है। उन्होंने आर्थिक कूटनीति पर ध्यान केंद्रित किया है, जिससे देश के व्यापार और निवेश में वृद्धि हुई है। उन्होंने सांस्कृतिक कूटनीति का उपयोग करके विभिन्न देशों के साथ संबंधों को मजबूत बनाने का प्रयास किया है। इसके अंतर्गत योग और आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा दिया गया है।

उम्र के सातवें दशक में होने के बावजूद वह टेक्नोलॉजी के मामले में आज के युवा की बराबरी करते हैं। नवाचारों पर उनका भरोसा है और उसे प्रोत्साहित करते हैं। यही वजह है कि एक दशक के उनके कार्यकाल में भारत विश्व में सबसे अधिक स्टार्ट अप्स वाला देश बन गया है। संभवतः वह विश्व के एकमात्र नेता हैं जो सीधे जनता से संवाद करने में विश्वास रखते हैं। आकाशवाणी पर उनके मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' और विद्यार्थियों के साथ 'परीक्षा पे चर्चा' इसका सफल उदाहरण हैं। इन दोनों कार्यक्रमों का जनमानस पर व्यापक स्तर पर प्रभाव पड़ा है। खेलों को बढ़ावा देने के लिए 'खेलो इंडिया' और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए 'ड्रोन दीदी' जैसी पहल जमीनी स्तर पर बदलाव लाने की इच्छा को दर्शाती हैं। इसके अतिरिक्त, 'नमो ऐप' के माध्यम से जनता को सीधे प्रधानमंत्री से जोड़ने और भारतीय डायस्पोरा को देश के विकास का हिस्सा बनाकर उन्होंने भारत की सॉफ्ट पावर को वैश्विक स्तर पर मजबूत किया है।

गोस्वामी तुलसीदास जी रामचरित मानस में राजा जनक के चरित्र का वर्णन करते हुए कहते हैं अतुलित धन्य्य सिय राम के जाई। राजसभा बिनु सवद सुहाई। अर्थात राजा जनक राजा होते हुए भी एक संन्यासी की तरह जीवन जीते थे, और सांसारिक सुख-सुविधाओं की बजाय ज्ञान और वैराग्य को महत्व देते थे। लेक्स फ्रिडमैन के साथ पॉडकास्ट में कठोर परिश्रम के सम्बन्ध में प्रश्न पूछने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'संतोष हमेशा देने के भाव की कोख से पैदा होता है।' प्रधानमंत्री श्री मोदी इसी कर्मयोगी भाव के जीते जागते उदाहरण हैं। गुजरात का मुख्यमंत्री होने के समय से ही वह एक अनुशासित और सरल जीवन जीने के लिए जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी श्री नरेन्द्र मोदी का जीवन अनुशासित और सरल रहा है। वह नियमित रूप से योग और ध्यान करते हैं और एक स्वस्थ जीवनशैली को अपनाते हैं। वह आध्यात्मिकता में विश्वास करते हैं। वह स्वामी विवेकानंद और महात्मा गांधी जैसे आध्यात्मिक नेताओं से प्रेरणा लेते हैं। उनका संन्यासी भाव उनके जीवन और कार्य में देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संस्कृति के अनन्य पुजारी हैं। वह भारतीय संस्कृति की समृद्धि और विविधता को बढ़ावा देने के लिए काम करते हैं।? वह अक्सर अपने भाषणों में भारतीय संस्कृति की महानता का उल्लेख करते हैं। वह कला भी को बढ़ावा देते हैं और कलाकारों और संस्कृतिकर्मियों को प्रोत्साहित करते हैं। समय ङ्क समय पर वाद्य यंत्रों का वादन जैसे असम का सारिंदा, महाराष्ट्र में बंजारा संस्कृति से जुड़ा ढोल जैसा वाद्य यंत्र नांगरा, आदिवासी कलाकारों के साथ पारंपरिक वाद्य यंत्र और उत्तराखंड के स्थानीय कलाकारों के साथ एक पारंपरिक वाद्य यंत्र उनकी संगीत के प्रति अभिरुचि को प्रकट करता है।

विटामिन डी की कमी से बच्चों को रिकेट्स का खतरा

ग्रोथ संग दिमाग भी हो सकता है कमजोर

(अनन्या)

अगर बच्चों की ग्रोथ की बात की जाए, तो कुछ लोगों का मानना है कि इसमें विटामिन डी अहम योगदान निभाता है। ऐसे में हर पेरेंट्स को इस बात का जवाब पता होना चाहिए। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्या वाकई में विटामिन डी की कमी से बच्चों की ग्रोथ पर निगेटिव असर पड़ सकता है। विटामिन डी बच्चों के लिए बहुत जरूरी पोषक तत्व माना जाता है। ऐसा इसलिए भी कहा जाता है, क्योंकि इस विटामिन की मदद से बच्चों की हड्डियां मजबूत होती हैं और उनकी लंबाई भी बेहतर होती है। हालांकि इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि कई सारे फैक्टर्स पर हाइट निर्भर करती है। इसमें बच्चों की फिजिकल एक्टिविटी और जेनेटिक्स भी मैटर करते हैं। अगर बच्चों की ग्रोथ की बात की जाए, तो कुछ लोगों का मानना है कि इसमें विटामिन डी अहम योगदान निभाता है। ऐसे में हर पेरेंट्स को इस बात का जवाब पता होना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्या वाकई में विटामिन डी की कमी से बच्चों की ग्रोथ पर निगेटिव असर पड़ सकता है।

विटामिन डी की कमी से प्रभावित हो सकती है बच्चों की ग्रोथ- बता दें कि बच्चों की ग्रोथ के लिए विटामिन डी बहुत जरूरी पोषक तत्व है। लेकिन डाइट की सहायता से विटामिन डी की कमी को पूरा नहीं किया जा सकता है। विटामिन डी के लिए जरूरी है कि पैरेंट्स अपने बच्चों को बाहर धूप में खेलने के लिए जरूर मोटिवेट करें। धूप विटामिन डी का एकमात्र स्त्रोत माना जाता है।

रिकेट्स का खतरा- जब बच्चे पर्याप्त विटामिन डी नहीं लेते हैं, तो इसके कारण बच्चे की ग्रोथ बाधित होती है। डॉक्टर इस बात की पुष्टि करते हुए बताते हैं कि विटामिन डी की कमी होने पर बच्चों को रिकेट्स हो जाता है। यह एक ऐसी कंडीशन है, जिसमें हड्डियां कमजोर और सॉफ्ट हो जाती हैं, जिस कारण पैर मुड़ सकते हैं और बच्चों को चलने में समस्या हो सकती है।

- **इंपेयर हाइट ग्रोथ-** एक्सपर्ट की मानें, तो जब बच्चों को पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी नहीं मिल पाता है, तो बच्चों में इंपेयर हाइट ग्रोथ का खतरा बढ़ जाता है। असल, में विटामिन डी की कमी होने पर बच्चे को शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। विटामिन डी पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पाने की वजह से कैल्शियम का भी अवशोषण नहीं हो पाता है। ऐसी स्थिति में बच्चों की हाइट ग्रोथ भी प्रभावित होती है।
- **मोटर डेवेलपमेंट-** एक हेल्थ रिपोर्ट के मुताबिक जब बच्चों को ग्रोइंग एज में पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी नहीं मिलता है, तो ऐसे में उनका मोटर डेवेलपमेंट प्रभावित हो सकता है। इसका मतलब यह है कि बच्चे के मसल्स ग्रुप मूवमेंट सीखने की जो गति है, वह धीमी हो जाती है, यह बच्चे के लिए सही नहीं माना जाता है।

यहां यह भी समझने की जरूरत है कि पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ रक्षा करार तो कर लिया है लेकिन सऊदी अरब की सैन्य ताकत भारतीय सेना के सामने कितनी प्रभावी है। हम आपको बता दें कि भारत की सेना वर्तमान में लगभग 1.45 मिलियन सक्रिय और 2.1 मिलियन आरक्षित सैनिकों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी सेनाओं में से एक है। इसमें थलसेना, नौसेना, वायुसेना और विशेष बल शामिल हैं। इसके विपरीत, सऊदी अरब की सेना 2.5.2.6 लाख सक्रिय सैनिकों और कुछ हजार आरक्षित बलों पर आधारित है। स्पष्ट है कि केवल संख्या के हिसाब से भी भारतीय सेना कई गुना बड़ी और विविधीकृत है।

क्या भारत की 'घर में घुसकर मारने' की नीति पर असर डालेगा सऊदी-पाक करार?

(नीरज कुमार दुबे)

भारतीय थलसेना के पास टी-90 और अर्जुन टैंकों जैसी आधुनिक सामरिक क्षमताएं हैं और यह भारी आर्टिलरी और अनुभवी पैदल सेना से लैस है। दूसरी ओर, सऊदी सेना आधुनिक हथियारों के बावजूद अपने युद्ध अनुभव में सीमित है।

पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ रक्षा करार कर लिया है इससे पाकिस्तान यह सोच रहा होगा कि अब किसी आतंकी वारदात के बाद भारत उसे घर में घुस कर मार नहीं पायेगा। यदि ऐसा है तो पाकिस्तान की यह सोच गलत है कि क्योंकि भारत कह चुका है कि हमले का बदला घर में घुस कर लिया जायेगा और यही अब 'न्यू नॉर्मल' है। देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर से पहले भारत को पता था कि पाकिस्तान को बचाने के लिए उसके दोस्त चीन और तुर्की आयेंगे लेकिन फिर भी भारत ने घर में घुस कर मारा। इसी तरह बालाकोट एअर स्ट्राइक से पहले भारत को पता था कि पाकिस्तान को बचाने के लिए चीन पीछे से उसका साथ देगा फिर भी भारत ने घर में घुस कर मारा। इसी प्रकार, भारत को सर्जिकल स्ट्राइक से पहले पता था कि पाकिस्तान को बचाने के लिए आतंकवादी संगठन और उसके आका तथा चीन सामने आयेंगे लेकिन भारत ने फिर भी घर में घुस कर मारा। इसलिए पाकिस्तान चाहे सऊदी अरब से रक्षा संबंध बना ले या फिर दुनिया की किसी भी दूसरी शक्ति से रक्षा करार कर ले, भारत की नीति स्पष्ट है कि यदि उसके खिलाफ कोई हमला हुआ तो हम राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए घर में घुस कर बदला लेंगे चाहे सामने एक दुश्मन हो या दुश्मन के एक दर्जन साथी भी साथ हों।

भारत और सऊदी अरब की सैन्य शक्ति

यहां यह भी समझने की जरूरत है कि पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ रक्षा करार तो कर लिया है लेकिन सऊदी अरब की सैन्य ताकत भारतीय सेना

के सामने कितनी प्रभावी है। हम आपको बता दें कि भारत की सेना वर्तमान में लगभग 1.45 मिलियन सक्रिय और 2.1 मिलियन आरक्षित सैनिकों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी सेनाओं में से एक है। इसमें थलसेना, नौसेना, वायुसेना और विशेष बल शामिल हैं। इसके विपरीत, सऊदी अरब की सेना 2.5.2.6 लाख सक्रिय सैनिकों और कुछ हजार आरक्षित बलों पर आधारित है। स्पष्ट है कि केवल संख्या के हिसाब से भी भारतीय सेना कई गुना बड़ी और विविधीकृत है। इसके अलावा, भारतीय थलसेना के पास ञ्ज-90 और अर्जुन टैंकों जैसी आधुनिक सामरिक क्षमताएं हैं और यह भारी आर्टिलरी और अनुभवी पैदल सेना से लैस है। दूसरी ओर, सऊदी सेना आधुनिक हथियारों के बावजूद अपने युद्ध अनुभव में सीमित है। यमन के संघर्षों ने इसे पूरी तरह उजागर किया है कि केवल हथियारों की मौजूदगी किसी सैन्य ताकत को अजेय नहीं बनाती।

इसके अलावा, भारतीय वायुसेना लगभग 750 लड़ाकू विमानों के साथ क्षेत्रीय श्रेष्ठता रखती है, जिसमें एसयू-30एमकेआई, मिराज 2000, राफेल और हल्के एलसीए तेजस शामिल हैं। इसके मुकाबले, सऊदी वायुसेना में 300-350 लड़ाकू विमान हैं, जो आधुनिक तो हैं, पर संचालन क्षमता में विदेशी विशेषज्ञता पर निर्भर हैं। वहीं, भारतीय नौसेना अपने विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत, 150+ जहाजों और रणनीतिक पनडुब्बियों के साथ, सऊदी नौसेना की तुलना में क्षेत्रीय समुद्री नियंत्रण में कहीं अधिक सक्षम है।

इसके अलावा, भारतीय सेना स्वदेशी रक्षा तकनीक, परमाणु तंत्र, बैलिस्टिक मिसाइल और साइबर क्षमता में आत्मनिर्भर है। इसके विपरीत, सऊदी अरब भारी निवेश के बावजूद विदेशी तकनीक पर निर्भर है। इसके एंटी-मिसाइल सिस्टम और आधुनिक विमान उतने प्रभावी नहीं हैं, जितना कि उनके बजट से प्रतीत होता है। सऊदी अरब ने पेट्राइट और थाड जैसी प्रणालियाँ तैनात की हैं जो बैलिस्टिक मिसाइल और क्रूज़ मिसाइल खतरों से सुरक्षा देती हैं। फिर भी यमन के हौथी विद्रोहियों द्वारा ड्रोन और मिसाइल हमलों ने यह साबित किया कि यह कवच पूरी तरह अभेद्य नहीं है।

देखा जाये तो असली ताकत का निर्धारण केवल हथियार और बजट से नहीं होता। भारत ने कई युद्धों और हाल के सीमाई तनावों में वास्तविक अनुभव और रणनीतिक समझ का परिचय दिया है। सऊदी अरब के पास यह अनुभव ही नहीं है। भारत के पास रणनीतिक स्वतंत्रता और निर्णायक क्षमता है, जबकि सऊदी अरब को लंबी लड़ाइयों में विदेशी समर्थन की आवश्यकता पड़ेगी।

एक राष्ट्र एक चुनाव पर संगोष्ठी में भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री बोले

कार्यकताओं को टिकट का मौका मिलेगा

भोपाल। भोपाल में भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, सरकार के पांच साल में ढाई सौ दिन आचार संहिता में बीत जाते हैं। इस दौरान सरकार कोई काम नहीं कर पाती। अगर एक साथ चुनाव होंगे तो सरकार को काम करने का ज्यादा समय मिलेगा। देश में मध्यावधि चुनाव से पहले तक एक साथ चुनाव होते रहे हैं। जब पहले ऐसा हो सकता था तो आगे भी यह व्यवस्था लागू हो सकती है। उन्होंने कहा कि, एक ही वोटर लिस्ट बनेगी तो गड़बड़ी की गुंजाइश कम होगी। राहुल गांधी जैसे नेता यह नहीं कह पाएंगे कि वोट चोरी हो गए। शिवप्रकाश ने यह बाते संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में एक राष्ट्र एक चुनाव पर आयोजित संगोष्ठी पर कही है। कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित चलो जीतें लघु फिल्म भी दिखाई गई। एक राष्ट्र एक चुनाव पर शिवप्रकाश ने कहा कि चुनावों से सरकारी अमला और सुरक्षा बलों का कामकाज प्रभावित होता है। दूसरे राज्यों और बॉर्डर से फोर्स बुलानी पड़ती है। बार-बार आना-जाना होता है और खर्च भी बढ़ता है। सरकार को वोट प्रतिशत बढ़ाने के लिए पब्लिसिटी पर भी पैसा खर्च करना पड़ता है। छह माह पहले से अधिकारी चुनावी माइंडसेट में चले जाते हैं। नई सरकार बनने के बाद भी छह माह कामकाज सेट करने में लगता है। इस तरह एक साल तक काम ठप हो जाता है। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव से भाईचारा, शत्रुता में बदल जाता है। एक साथ चुनाव होंगे तो कार्यकताओं को भी टिकट का मौका मिलेगा। अलग-अलग चुनाव में एक ही नेता बार-बार चुनाव लड़ लेता है। एक ही वोटर लिस्ट बनेगी तो गड़बड़ी की गुंजाइश कम होगी। राहुल गांधी जैसे नेता यह नहीं कह पाएंगे कि वोट चोरी हो गए। अवैध घुसपैठ की संभावनाएं भी घटेंगी। शिवप्रकाश ने कहा कि भारत का मतदाता परिपक्व है। वह नीर, छीर, विवेक जानता है। उसकी नीयत और ईमानदारी पर शक करना उचित नहीं है। महाराष्ट्र में लोकसभा में कम और विधानसभा में ज्यादा सीटें मिलीं, मतदाता तो वही था। उन्होंने कहा कि देश में अभी हिम्मतवाला नेता बैठा है। वह जनता के लिए जीता है और जनता के लिए मरता है। इसीलिए वन नेशन, वन इलेक्शन का फैसला करने जा रहे हैं।

लोकसभा चुनाव में सिर्फ एक लाख करोड़ खर्च

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि एक लाख करोड़ का खर्च हुआ था। यह सिर्फ सरकारी खर्च था। इसमें प्रत्याशियों का खर्च और अन्य चुनावी खर्च शामिल नहीं है। इसमें विधानसभा चुनावों का खर्च जोड़ दें तो बीस हजार करोड़ का खर्च अलग आता है। एक साथ चुनाव होने से यह बीस हजार करोड़ का खर्च बचाया जा सकता है। विपक्षी दल यह कहकर विरोध करते हैं कि केंद्र में मोदी लहर है, इसलिए भाजपा के लोग जीत जाएंगे। खंडेलवाल ने कहा कि हमारे देश के मतदाता काफी समझदार हैं। उड़ीसा इसका उदाहरण है जहां केंद्र के लिए मोदी की सरकार को लोगों ने वोट दिया लेकिन राज्य में बीजू जनता दल को वोट किया। खंडेलवाल ने कहा कि अस्सी साल की माता भी जब वोट देने जाती है तो वह यह तय कर जाती है कि पंच, सरपंच, जनपद सदस्य या किसी अन्य चुनाव के लिए किसे वोट देना है। समय और धन आने वाले कल की जरूरत है। युवाओं की ताकत को समझना होगा संगोष्ठी में विधायक रामेश्वर शर्मा ने युवाओं की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हमारे युवा सोचते हैं कि भारत कैसे मजबूत बने और चुनाव एक साथ कैसे हों। इसलिए उनकी ताकत को समझना जरूरी है। शर्मा ने कहा, धर्म अलग हो सकते हैं लेकिन देश एक है। भारत माता एक है, राष्ट्रगान एक है। अगर एक विधान, एक निशान और एक प्रधान है, तो चुनाव भी एक साथ कराए जा सकते हैं। बच्चों को समझना होगा कि वन नेशन, वन इलेक्शन क्यों जरूरी है।

एम्स में ब्रेस्ट कैंसर का नई तकनीकी से इलाज

नहीं हटाना पड़ रहा स्तन, विशेषज्ञ बोले- जागरूकता की कमी

भोपाल। राजधानी भोपाल के एम्स हॉस्पिटल में ब्रेस्ट कैंसर का नई तकनीकी से इलाज किया जा रहा है। इस तकनीकी में ब्रेस्ट कैंसर होने पर महिलाओं का स्तन हटाने की जरूरत नहीं पड़ रही है, बल्कि जिस हिस्से में बीमारी डिटेक्ट होती है उसी का इलाज किया जाता है। एम्स के चिकित्सकों का कहना है कि बीमारी की आधुनिक इलाज में बारे में जागरूकता की कमी है। अक्सर महिलाएं स्तन में गांठ महसूस होने पर भय और गलतफहमी के कारण समय पर चिकित्सकीय मदद लेने से हिचकिचाती हैं।

एम्स के डॉक्टरों ने बताया कि एक समय था जब स्तन कैंसर का मतलब पूरे स्तन को हटाना होता था। लेकिन अब समय बदल गया है। आज इसका इलाज बहु-आयामी पद्धति से किया जाता है। जिसमें कीमोथेरेपी, हार्मोनल थेरेपी, सर्जरी, इम्यूनोथेरेपी और रेडियोथेरेपी का संयोजन होता है। कई मामलों में केवल ट्यूमर को हटाकर और उन्नत ऑन्कोप्लास्टिक सर्जरी से पुनर्निर्माण करके स्तन को सुरक्षित रखा जा सकता है। एम्स के कैंसर सर्जरी विभाग के एचओडी डॉ. विनय कुमार ने बताया कि यह अत्याधुनिक तकनीक एम्स भोपाल में की जा रही है और इसके उत्कृष्ट परिणाम मिल रहे हैं।

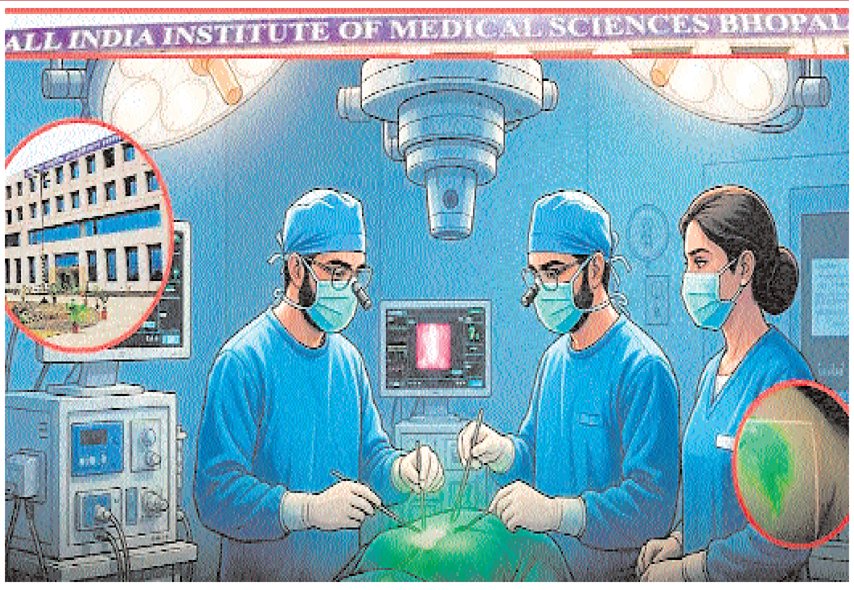

सर्जरी के बाद होने वाली लिम्फेडेमा बड़ी परेशानी

डॉ. विनय कुमार ने बताया कि स्तन कैंसर की सर्जरी के बाद होने वाली चुनौतियों में से एक लिम्फेडेमा है हाथ में एक दर्दनाक सूजन जो महीनों या साल बाद भी दिखाई दे सकती है। इस जोखिम को कम करने के लिए एम्स भोपाल में अब इंडोसाइनिन ग्रीन डाई तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इस डाई को ट्यूमर में इंजेक्ट किया जाता है और इन्फ्रारेड कैमरे से देखने पर यह उन लसीका ग्रंथियों (लिम्फ नोड्स) को स्पष्ट करता है, जो स्तन से बगल तक फैलते हैं। इन ग्रंथियों को निकालकर तुरंत फ्रोजन सेक्शन तकनीक से जांचा जाता है। यदि इनमें कैंसर कोशिकाएं नहीं पाई जातीं, तो हाथ की सामान्य लसीका नलिकाओं को सुरक्षित रखा जाता है जिससे लिम्फेडेमा का खतरा बहुत कम हो जाता है और जीवन की गुणवत्ता बेहतर होती है।

गणेशोत्सव के बाद नवरात्रि के पहले ही पूजन सामग्री के भावों में तेजी

पूजा हो गई महंगी ... 20 वाला नारियल 40 रु. में

रोज मंदिर जाने वालों पर टूटी आफत... अब केवल दर्शन कर रहे भक्त...

भोपाल। *नवरात्रि के पूर्व ही बाजारों में पूजन-अनुष्ठान सामग्रियों के भावों में तेजी से उछाल आया है, वहीं कुछ माह पूर्व तक 20 रुपए में बिकने वाला नारियल अब 40 रुपए में बिक रहा है। नवरात्रि पर्व के लिए शहर में ठेलों और सडक किनारे छोटी दुकानें लगना शुरू हो गई हैं। माता की चुनरी बाजारों में 50 से शुरू होकर 1000 रुपए तक की मिल रही है। नारियल 40 से 45 रुपए, फूलों की माला 40 रुपए, आम का पत्ता 10 रुपए, प्याला (कुंडी) 40-50 रुपए, कलश मिट्टी का 20-90 रुपए, मां दुर्गा की छोटी मूर्ति 200 से 450 रुपए, दीया नॉर्मल और पंचमुखी 10-50 रुपए प्रति पीस तक कीमत पर बिक रहे हैं, जो पिछले साल की तुलना में 15 से 20 प्रतिशत तक अधिक हैं। नवरात्रि में व्रत भी घर-घर में रखे जाएंगे। इसी के तहत फलों की कीमतों में भी 20 से 25 प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिल रही है।*

20 का नारियल ... 40 कैसे पहुंचा

इस साल नारियल उत्पादक राज्य केरल, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु में नारियल की फसल पिछले साल की तुलना में 25 परसेंट ही हुई है। मांग की तुलना में आपूर्ति भी घट गई है। ऐसी स्थिति में मध्यप्रदेश और अन्य राज्यों तक पहुंचने वाला नारियल प्रति नग 40 के भाव तक पहुंच गया है।

प्रसाद को ना, मंदिर में केवल दर्शन

हार, फूल, नारियल, मिठाई की बढ़ती कीमतों को देखते हुए भगवान के भक्त अब मंदिरों में केवल दर्शन कर रहे हैं। प्रसाद की सभी सामग्री की टोकरी अब भक्तों के हाथों में कम ही दिखाई दे रही है। मंदिर सूत्रों के अनुसार नारियल चढ़ाने वाले भक्तों की संख्या लगभग आधी रह गई है।

मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन का फजीवाड़ा

करोड़ों का टेंडर चहेते को देने बदल दिए नियम

भोपाल। मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन के जिम्मेदारों ने अपने चेहते को काम देने के लिए टेंडर के अपने अलग ही नियम गढ़ लिए। हद तो यह है कि इसकी शिकायत कर्ताधर्ताओं को करने के बावजूद कुछ नहीं हुआ। ऐसे में साफ है कि करीब 10 करोड़ रुपये के काम के टेंडर में सब कुछ मिलीभगत से किया गया। मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने टेंडर की पहली और सबसे महत्वपूर्ण शर्त को ही पूरा नहीं करने वाली चहेती फर्मों को ना सिर्फ क्वालिफाई किया बल्कि उनको काम देने की पूरी तैयारी भी कर ली। दरअसल, कॉर्पोरशन ने जुलाई 2025 में प्रदेश में अपने करीब 275 के आसपास वेयरहाउस के परिसरों में सडक, साइनज, रोड सेफ्टी और रेट्रो-रिफ्लेक्टिव शीट लगाने जैसे कामों के लिए टेंडर बुलाए गए। यह टेंडर तीन साल तक संबंधित कार्य के रेट कॉन्ट्रेक्ट के लिए है। इस टेंडर में पहली शर्त यह रखी गई कि फर्म मध्य प्रदेश पीडब्ल्यूडी में पंजीकृत होना चाहिए। हद तो यह है कि जिम्मेदारों ने इस शर्त को पूरा नहीं करने वाली फर्मों एवेन्यू ग्राफिक्स, सत्यम ग्राफिक्स और अबुल फैज को क्वालिफाई कर दिया। इसका तर्क दिया गया कि पीडब्लयूडी के एनआईटी की शर्त के अनुसार पंजीयन के लिए आवेदन करने वाली फर्मों को भी क्वालिफाई किया जा सकता है। वहीं, जानकारों के अनुसार रजिस्ट्रेशन करने वाली फर्म को तब ही योग्य माना जा सकता है, जबकि संबंधित टेंडर फार्म में इसका जिक्र किया गया हो। साथ ही उसमें यह भी बताना होगा कि टेंडर से पहले आवेदन किया जाना चाहिए या फिर बाद में कब तक।

इन नियमों का भी खुला उल्लंघन

यही नहीं इन फर्मों के पास ओईएम का इनकॉरपोरेशन सर्टिफिकेट भी नहीं था। बावजूद इसके इन्हें प्रजेंटेशन के लिए बुलाया गया और बाद में उनसे दस्तावेज लेकर खानापूर्ति कर दी गई। वहीं, एक क्वालिफाई निविदाकार अबुल फैज ने टेंडर जारी होने के तारीख के बाद पीडब्ल्यूडी में रजिस्ट्रेशन के लिए अप्लाई किया, जो कि निविदा में शामिल होने के लिए हिस्टोरिकल डॉक्यूमेंट माना जाता है। पीडब्ल्यूडी के नियमों के अनुसार भी यह टेंडर जारी होने के पहले का जरूरी हैं।

श्री एम इंडिया के वेंडरों को बाहर करने पर सवाल

एक हालिया टेंडर में छह वेंडरों ने भाग लिया, जिनमें तीन वेंडर श्री एम इंडिया के और तीन वेंडर ओराफिल के थे। कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने एक पेपर के आधार पर श्री एम इंडिया के सभी वेंडरों को टेंडर से बाहर कर दिया, जबकि उनके पास लोक निर्माण विभाग का रजिस्ट्रेशन और अन्य सभी आवश्यक शर्तें पूरी थीं। जानकारों का कहना है कि सरकार का पैसा बचाने और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए कभी-कभी हिस्टोरिकल डॉक्यूमेंट मांगे जा सकते हैं। इससे कई फर्में भाग लेती हैं और प्रतिस्पर्धा बढ़ती है।

कांग्रेस जिला अध्यक्षों की 3 दिवसीय बैठक

होगी वन टू वन चर्चा, संगठन सृजन अभियान को लेकर असंतोष जारी

भोपाल। मप्र में कांग्रेस जिला अध्यक्षों की बैठक 21, 22 और 23 सितंबर को बुलाई गई है। जिलाध्यक्षों की बैठक संभागवार होगी। प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और पीसीसी चीफ जीतू पटवारी जिला अध्यक्षों की बैठक लेंगे। बता दें कि जिला अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद पहली बार भोपाल में बैठक बुलाई गई है। ब्लॉक अध्यक्ष और जिला कार्यकारिणी को लेकर रिपोर्ट ली जाएगी। कार्यकारिणी और ब्लॉक अध्यक्ष को लेकर एक महीने की जिला अध्यक्षों को डेडलाइन दी गई थी। 21 सितंबर को सुबह 10 बजे भोपाल संभाग की, 21 सितंबर को दोपहर 3 बजे नर्मदापुरम संभाग, 22 सितंबर को सुबह 10 बजे ग्वालियर चंबल संभाग, 22 सितंबर को दोपहर 3 बजे इंदौर संभाग, 23 सितंबर को सुबह 10 बजे उज्जैन संभाग, 21 सितंबर को दोपहर 12 बजे सागर संभाग की बैठक होगी। बैठक में जिला अध्यक्षों से वन टू वन चर्चा होगी।

संगठन सृजन अभियान को लेकर असन्तोष

मध्यप्रदेश में संगठन सृजन अभियान को लेकर असन्तोष नहीं थम रहा है। अब असन्तुष्ट नेताओं दावेदारों ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात शुरू की है। इसी कड़ी में भोपाल के दावेदार मोनू सक्सेना ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे से दिल्ली में मुलाकात की है। उन्होंने मध्यप्रदेश कांग्रेस में संगठन सृजन को लेकर शिकायत की है। मध्यप्रदेश में करीब 12 जगह पर जिला अध्यक्ष नियुक्ति को लेकर विवाद चल रहा है।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर केवल विधि विभाग को मिला लाभ

अन्य किसी विभाग की ग्रेजुएटी 25 लाख नहीं हुई

भोपाल। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 27 जुलाई 2022 की पालन एवं संविधान के अनुच्छेद 309 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए मप्र शासन के विधि एवं विधायी विभाग ने न्यायिक सेवा के अधिकारी कर्मचारियों के लिए ग्रेजुएटी की राशि केंद्र सरकार के कर्मचारियों के समान 25 लाख रुपए करने के आदेश जारी कर दिए हैं। लेकिन मध्य प्रदेश शासन के अन्य विभाग में अभी भी सरकारी कर्मचारियों को ग्रेच्युटी की राशि 25 लाख रुपए भुगतान करने के आदेश जारी नहीं हुए है। इस कारण कर्मचारियों में असंतोष का वातावरण निर्मित हो गया है। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंप कर मांग की है कि विधि एवं विधायी विभाग के आदेश के अनुशरण में मध्य प्रदेश के समस्त विभागों में सरकारी कर्मचारी की ग्रेच्युटी राशि 25 लाख रुपए करने के आदेश जारी किए जाए। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने रिट याचिका सिविल क्रमांक 643/ 2015 ऑल इंडिया जजेस यूनियन एवं यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एवं अन्य में 27 जुलाई 2022 को आदेश पारित किया है कि सरकारी अधिकारी कर्मचारियों की ग्रेच्युटी राशि 20 लाख से बढकर 25 लाख रुपए की जाए। जिसका पालन मध्य प्रदेश शासन के विधि विभाग ने आदेश जारी कर दिया है, लेकिन मध्य प्रदेश सरकार ने अपने अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारियों के लिए ग्रेच्युटी राशि बढ़ाने के आदेश जारी नहीं किये हैं।

कांग्रेस बोली कमीशन का लेप चढ़ाना करें बंद

मध्य प्रदेश में इंजीनियरों को दी जा रही गड्ढों से छुटकारे की ट्रेनिंग

500 इंजीनियरों को पढ़ाया जा रहा कैपेसिटी बिल्डिंग का पाठ

भोपाल। बारिश में जर्जर हुई प्रदेश की सडकों को लेकर राजनीति और चर्चा गर्म है। इसको हाल ही में वायरल हुए केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के वीडियो ने और गर्मा दिया। जिसमें वह कह रहे हैं कि बुरा हाल है भई। लेकिन यह हाल सिर्फ ग्वालियर का नहीं कमोवेश प्रदेश के हर शहर का है। यह स्थिति तब है जब प्रदेश में भाजपा की सरकार 20 सालों से है। सडकों की गुणवत्ता को लेकर उठने वाले सवालों के बीच अब प्रदेश के करीबन 500 इंजीनियरों को कैपेसिटी बिल्डिंग का पाठ पढ़ाया जा रहा है। इसके तहत आईआईटी इंदौर, रुडकी, सीआरआरआई, सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के विशेषज्ञों द्वारा उन्हें गुणवत्तापूर्ण सडक बनाने के तरीके सुझाए जा रहे हैं। बारिश में सडके उखड? का यह पहला मौका नहीं है, हर बारिश में सडकों की ऐसी ही तस्वीरें सामने आती हैं। यह स्थिति राजधानी भोपाल की उन सडकों की भी है, जिन्हें पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अमेरिका से भी बेहतर बताया था। नगरीय प्रशासन और विकास विभाग के कमिश्नर संकेत भौंडवे कहते हैं कि सडकों की क्वालिटी बेहतर हो, इसलिए प्रदेश के 500 से ज्यादा यंत्री, उपयंत्री और डीपीआर कंसल्टेंट को सडक निर्माण में आ रही नई तकनीक से रूबरू कराने कैपेसिटी बिल्डिंग कराई जा रही है। विशेषज्ञों द्वारा उन्हें नई तकनीक बताई जा रही है ताकि बेहतर सडकें बन सकें। हालांकि जब उनसे सवाल किया कि आखिर शहर कब गड्ढा मुक्त होंगे तो उन्होंने कहा कि नई तकनीक को कैसे जोड़ें इसका प्रयास करना होगा। हमारा लक्ष्य है कि आने वाले समय में पूरे शहरी इलाकों की कार्य योजना बनाएं और आने वाले 2 से 3 साल में कैसे इसको बेहतर बनाएं। मैं 100 परसेंट तो नहीं कह पाऊंगा क्योंकि उसके लिए अभी और मेहनत करनी होगी।

शहरों की सडकों के लिए बदल रहे एसओआर

शहरों के अंदर की सडकों को बेहतर बनाने के लिए अब नगरीय निकायों में भी एसओआर को बदला जा रहा है। कमिश्नर संकेत भौंडवे कहते हैं कि इसको जल्द बदलने का प्रयास किया जा रहा है। एनएचएआई और पीडब्ल्यूडी के जो एसओआर आइटम नहीं है और कांट्रेक्टर जो कोटेशन के आइटम लेता है। उसको एसओआर में डाला जा रहा है। नई एसओआर की सूची में 309 आइटम के स्थान पर 817 से ज्यादा नए आइटम को शामिल किया जा रहा है। यहां तक कि सडकों के निर्माण में पेड़ों को काटने के स्थान पर शिफ्ट करने और उसकी करीब 5 साल तक निगरानी की व्यवस्था भी होगी। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता भूपेन्द्र गुप्ता आरोप लगाते हैं कि प्रदेश की सडकों को बेहतर बनाने के लिए सिस्टम को कैपेसिटी बिल्डिंग से ज्यादा ईमानदारी की ड्रिप लगाने की जरूरत है। जिन सडकों के निर्माण में 50 फीसदी से ज्यादा कमीशन बंट जाता हो, ऐसे में अच्छी सडकों के बारे में सोचना ही बेकार है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने कलेक्टर को फोन लगाकर कहा

सोयाबीन की खराब फसलों के लिए तुरंत सर्वे कराएं

भोपाल। किसानों की समस्या सुनते ही केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान एक्शन मोड में आ गए। शनिवार दोपहर जब वे भोपाल-इंदौर हाईवे से गुजर रहे थे, तो इछावर जोड़ पर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। इसी दौरान बड़ी संख्या में किसान वहां पहुंचे और मंत्री से सीधे अपनी परेशानियां साझा कीं। किसानों ने बताया कि पिछले कुछ समय से लगातार खराब मौसम और अन्य कारणों से उनकी सोयाबीन की फसलें बर्बाद हो रही हैं। कई किसानों ने कहा कि खेतों में खड़ी फसलें सूख गई हैं, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों ने कृषि मंत्री से गुहार लगाई कि सरकार तुरंत सर्वे कराए और उन्हें मुआवजा व फसल बीमा का लाभ दिलाया जाए। किसानों की व्यथा सुनते ही शिवराज सिंह चौहान ने मौके पर ही सीहोर कलेक्टर को फोन लगाया और सख्त निर्देश दिए कि जिले में खराब हो रही सोयाबीन की फसलों का तुरंत सर्वे कराया जाए. साथ ही यह भी कहा कि किसी भी किसान को बीमा योजना का लाभ लेने से वंचित नहीं रहना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

100 साल तक जीतीं हैं जापान की महिलाएं

टोक्यो, एजेंसी। जापान एक बार फिर से अपने लोगों की लंबी उम्र के लिए सुर्खियों में है। जापानी स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी एक नई रिपोर्ट के अनुसार 100 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों की संख्या बढ़कर 99,763 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। यह लगातार 55वें साल है जब इस मामले में जापान ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा है। इस चौंकाने वाले आंकड़ों में 88त्न महिलाएँ हैं जिनकी संख्या 87,784 है जबकि पुरुषों की संख्या 11,979 है। जापानी लोग बुढ़ापे में भी बहुत सक्रिय रहते हैं। वे अमेरिका और यूरोप के लोगों की तुलना में बहुत ज़्यादा पैदल चलते हैं और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करते हैं। इससे वे शारीरिक रूप से फिट रहते हैं। जापान में लोग लाल मांस बहुत कम खाते हैं। उनके भोजन में ज़्यादातर मछली, सब्ज़ियां और पौष्टिक चीज़ें शामिल होती हैं। इसके अलावा वे नमक का भी बहुत कम सेवन करते हैं जो उच्च रक्तचाप और दिल की बीमारियों को रोकने में मदद करता है। इस वजह से जापान में मोटापे की दर भी बहुत कम है। जापान में दिल की बीमारियों और आम तरह के कैंसर (स्तन और प्रोस्टेट कैंसर) से होने वाली मृत्यु दर भी काफी कम है। रिपोर्ट के अनुसार जापान की सबसे बुजुर्ग महिला का नाम शिगेको कागवा है जिनकी उम्र 114 साल है और वे यामाटो कोरियामा में रहती हैं। वहीं सबसे बुजुर्ग पुरुष कियोताका मिजुनो हैं जो 111 साल के हैं और इटावा शहर के रहने वाले हैं। बता दें कि जापान की बढ़ती औसत आयु और कम जन्म दर के कारण वहां की आबादी तेज़ी से बूढ़ी हो रही है। इस वजह से वहां की स्वास्थ्य और सामाजिक व्यवस्था के लिए नई चुनौति यां खड़ी हो रही हैं लेकिन यह दुनिया को एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का महत्वपूर्ण संदेश भी देता है।

बलूचिस्तान में दो कार बम धमाकों में आठ की मौत

तुर्बत, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में गुरुवार को दो अलग-अलग कार बम धमाकों में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और लगभग दो दर्जन घायल हो गए। पहले धमाके में, तुर्बत जिले में एक आत्मघाती हमलावर ने सुरक्षा दल की गाड़ी को टक्कर मार दी, जिसमें दो सुरक्षा कर्मी मारे गए और 23 घायल हुए। इसके ठीक कुछ घंटे बाद, अफगान सीमा के पास चमन शहर में दूसरा बम फटा, जिसमें छह लोग मारे गए। हालांकि मामले में अभी तक किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन संदिग्ध पाकिस्तान तालीबान और बलूच अलगाववादी समूह हैं। बलूचिस्तान में वर्षों से अलगाववादी हिंसा जारी है, जहां कई समूह केंद्र सरकार से स्वतंत्रता की मांग करते रहे हैं।

नेपाल की सैनिक बैरक से बाहर आए पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) एमाले के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सैनिक बैरक से बाहर आ गए हैं। जेन-जी आंदोलन के दौरान सुरक्षा कारणों से नेपाली सेना ने उन्हें बैरक में रखा था। प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद वह 9 सितंबर से वहीं ठहरे हुए थे। अब ओली भक्तपुर के गुण्डु इलाके में स्थानांतरित हो गए हैं, जहां उनके लिए किराये का घर लिया गया है। बालकोट स्थित उनका निजी घर प्रदर्शनकारियों द्वारा जला दिए जाने के कारण उन्हें वहां से हटना पड़ा। पांच मार्च के आम चुनाव के लिए पूरी तैयारी कर रही नेपाल की अंतरिम सरकार नेपाल की अंतरिम सरकार ने कहा है कि देश में आम चुनाव समय पर होंगे। अगले साल पांच मार्च को होने वाले संसदीय चुनाव को सफलतापूर्वक कराने के लिए सरकार पूरी तैयारी कर रही है। नवनियुक्त गृह मंत्री ओम प्रकाश आर्यल ने सभी राजनीतिक दलों और संबंधित पक्षों से प्रतिनिधि सभा के आगामी चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा, अगले साल 5 मार्च को संसदीय चुनाव कराने पर सरकार पूरी तरह ध्यान दे रही है।

ट्रांसजेंडर हैं फ्रांस के राष्ट्रपति की वाइफ? आरोप लगने के बाद बोले

इमैनुएल मैक्रों- जल्द सबूत दूंगा

पेरिस, एजेंसी।
फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पत्नी ब्रिजिट को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रह है। अमेरिका की अति-दक्षिणपंथी इन्फ्लुएंसर और राजनीतिक टिप्पणीकार कैंडेस ओवेन्स ने यह आरोप लगाया था कि मैक्रों की पत्नी एक महिला नहीं, बल्कि ट्रांसजेंडर हैं। इन आरोपों के बाद फ्रांस की राजनीति में हचलल मच गई थी। हालांकि मैक्रों ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था और ओवेन्स के खिलाफ जुलाई में मानहानि का मुकदमा किया था। अब मैक्रों और उनकी पत्नी ने तय किया है कि वह ब्रिजिट के महिला होने का सबूत भी पेश करेंगे।

इन आरोपों की शुरुआत 2021 से हुई थी। फ्रांसीसी ब्लॉगर अमांडाइन रॉय और नाटाशा रे के यूट्यूब वीडियो में सबसे पहले ये आरोप लगाए गए थे कि फ्रांस की फर्स्ट लेडी ट्रांसजेंडर महिला हैं। हालांकि 2024 में दोनों के खिलाफ दायर मानहानि के मुकदमे में मैक्रों को जीत मिली थी। 2025 में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हवाला देते हुए एक अपील दायर की गई और फिर फैसला पलट गया।

बाद में इस मुद्दे को कैंडेस ओवेन्स ने लपक लिया। ओवेन्स के इंस्टाग्राम पर 6 मिलियन से अधिक फॉलोअर हैं। ओवेन्स ने यहां तक कह दिया कि फ्रांस की फर्स्ट लेडी जन्म से पुरुष थीं और इस आरोप को साबित करने के लिए वह अपनी पूरी प्रोफेशनल प्रतिष्ठा दांव पर लगा देंगी। मैक्रों ने डेलावेयर कोर्ट में ओवेन्स के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है।

ओवेन्स का दावा है कि मैक्रों की पत्नी ब्रिजिट का जन्म पुरुष के रूप में हुआ है और उनका नाम जीन-मिशेल ट्रॉग्न्यू था। ओवेन्स के मुताबिक, जब मैक्रों किशोर थे, तब जीन-मिशेल ट्रॉग्न्यू ने उन्हें मेंटल सपोर्ट दिया था। अब मैक्रों की तरफ से इन आरोपों को निराधार बताने के लिए फोटो और वैज्ञानिक सबूत पेश करने का प्लान तैयार किया गया है। बीबीसी से बातचीत में मैक्रों के वकील टॉम क्लेयर ने ये नहीं बताया कि ये सबूत किस तरह का होगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या मैक्रों ब्रिजिट की गर्भावस्था और बच्चों की परवरिश की तस्वीरें देंगे, तो टॉम क्लेयर ने कहा कि ये तस्वीरें मौजूद हैं और अदालत में पेश की जाएंगी। बता दें कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों अपनी पत्नी ब्रिजिड मैक्रों से 24 साल छोटे हैं। ब्रिजिड मैक्रों की उम्र 72 साल है। ब्रिजिड जब अमीन्स शहर के एक हाई स्कूल में पढ़ाती थीं,।

बलूच आर्मी पर पाबंदी लगवाने चले थे चीन और पाक, अमेरिका से झटका

फ्रांस और ब्रिटेन भी खिलाफ

न्यूयॉर्क, एजेंसी।
पाकिस्तान में सक्रिय विद्रोही संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी और उसकी मजीद ब्रिगेड को संयुक्त राष्ट्र की पाबंदी सूची 1267 में शामिल कराने के प्रस्ताव पर अमेरिका ने वीटो कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान और उसके सदाबहार दोस्त चीन की ओर से इस प्रस्ताव को रखा गया था। इस पर अमेरिका ने वीटो लगा दिया। इसके अलावा ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देशों ने भी विरोध किया। इस तरह यह प्रस्ताव गिर गया। दरअसल संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंध समिति 1267 के तहत यह प्रावधान है कि अलकायदा और इस्लामिक स्टेट से किसी भी तरह का ताल्लुक रखने वाले आतंकी संगठन पर पाबंदी लगाई जाती है।

ऐसे संगठनों की संपत्तियों को दुनिया भर में जब्त किया जा सकता है। इसी को लेकर अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन ने कहा कि जिस बलूच लिबरेशन आर्मी और उसके आत्मघाती दस्ते मजीद ब्रिगेड पर पाबंदी का प्रस्ताव है, उसका अलकायदा और इस्लामिक स्टेट से तो कोई संबंध ही नहीं है। ऐसे में इन दोनों को इस सूची में शामिल नहीं किया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद ने बुधवार को कहा था कि अफगानिस्तान में अलकायदा, इस्लामिक स्टेट, तहरीक-ए-तालिबान, ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट, बलूच लिबरेशन आर्मी और मजीद ब्रिगेड के ठिकाने हैं।

पाकिस्तानी राजनयिक का दावा था कि अफगानिस्तान में इन संगठनों के कम से कम 60 ठिकाने हैं। लेकिन अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने इस दलील के आधार पर पाबंदी से इनकार किया। अमेरिका ने साफ कहा कि बलूच लिबरेशन आर्मी का अलकायदा या फिर इस्लामिक स्टेट से कोई संबंध नहीं पाया गया। इसलिए इस सूची में शामिल नहीं किया जा सकता। हालांकि यह भी सही है कि अमेरिका ने बलूच लिबरेशन आर्मी और मजीद ब्रिगेड को आतंकी संगठन घोषित किया है।

कनाडा और मैक्सिको ने की अमेरिका की घेराबंदी

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ से जुड़ी धमकियों के बीच कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने गुरुवार को घोषणा की कि वे आपसी व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करेंगे। उन्होंने पश्चिमी गोलार्ध के सबसे अहम मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जीवित रखने की बात कही। इस एफटीए की अगले साल समीक्षा होनी है। पश्चिमी गोलार्ध में उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, कनाडा, मैक्सिको और कुछ पश्चिमी अफ्रीकी हिस्से आते हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री बनने के बाद कार्नी का यह पहला मैक्सिको दौरा है। दोनों नेताओं की मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब क्षेत्र आर्थिक तनातनी से गुजर रहा है। मैक्सिको के राष्ट्रपति भवन में कार्नी और शीनबाम ने हाथ मिलाया और फिर एकसाथ बैठक के लिए प्रवेश किया।

अमेरिकी सेना का ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर क्रैश

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। राज्य के जॉइंट बेस लुईस-मैककॉर्ड के पास अमेरिकी सेना के एमएच-60 ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर का क्रैश हो गया। इस हेलिकॉप्टर में चार सैनिक सवार थे, जो 160वें स्पेशल ऑपरेशंस एविएशन रेजिमेंट के थे। यह अमेरिकी सेना के जॉइंट बेस हेडक्वार्टर के अधीन आता है। यह हादसा बुधवार रात करीब नौ बजे हुआ। मामले में अमेरिकी सेना की ओर से गुरुवार को जारी बयान में बताया गया कि क्रैश की वजह क्या थी, यह अभी पता नहीं चला है। हालांकि मामले की जांच चल रही है। सेना ने यह भी कहा कि यह अभी एक सक्रिय और जारी स्थिति है।

मीडिया रिपोर्ट की माने तो क्रैश की वजह से इलाके में जंगल में आग लग गई, जो गुरुवार सुबह तक करीब एक एकड़ (लगभग 0.4 हेक्टेयर) क्षेत्र में फैल चुकी थी। वॉशिंगटन के प्राकृतिक संसाधन विभाग (डीएनआर) ने यह जानकारी दी। आग बुझाने के लिए सेना, फायर ब्रिगेड और अन्य एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं।

वहीं मामले में थर्स्टन काउंटी के शेरिफ डेरिक सैंडर्स ने बताया कि हेलिकॉप्टर के मलबे का पता लगा लिया गया है, लेकिन इलाके में आग होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन रोकना पड़ा है। उन्होंने कहा कि सेना और स्थानीय एजेंसियां मिलकर पूरा प्रयास कर रही हैं कि जल्द से जल्द सैनिकों तक पहुंचा जा सके। वहीं मामले में अमेरिकी सेना की प्रवक्ता रूथ कैस्ट्रो ने बताया कि यह एक सर्च मिशन है जिसमें सबसे कुशल और अनुभवी टीमें लगी हुई हैं। सेना कानून व्यवस्था एजेंसियों के साथ मिलकर पूरी तरह सहयोग कर रही है।

जैश-ए-मोहम्मद के बाद लश्कर कमांडर का भी कबूलनामा

वीडियो में दिखाया ऑपरेशन सिंदूर का तांडव

इस्लामाबाद , एजेंसी।
ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया था। इस ऑपरेशन ने आतंकिस्तान पर की कमर तोड़ दी। पाकिस्तानी सेना चाहें कुछ भी दावा करे, लेकिन आतंकी संगठनों के कुछ कमांडर खुद इस नुकसान को स्वीकार कर रहे हैं। दरअसल, जैश-ए-मोहम्मद के एक कमांडर ने पिछले दिनों पाकिस्तान के शिविर के दावे का पर्दाफाश किया। इसके कुछ दिन बाद ही लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकी ने स्वीकार किया है कि मुरीदके स्थित मरकज तैयबा स्थित आतंकी समूह के मुख्यालय को भारतीय भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत नष्ट कर दिया था। सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो तेजी से प्रसारित हो रहा है। सामने आए एक वीडियो में देखा जा सकता है कि लश्कर कमांडर कासिम ने स्वीकार किया कि 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नष्ट किए गए मुरीदके आतंकी शिविर का पुनर्निर्माण फिर से किया जा रहा है। इस बार इसे और बड़ा बनाने की कवायद है। बता दें कि मुरीदके पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के शेखपुरा जिले का एक शहर है। जहां पर आतंकियों ने अपना पनाह खोजा है। सामने आए वीडियो में कोई शख्स खड़ा है, जो खुद को कासिम बता रहा है। उसने कहा कि मैं

मुरीदके में मरकज़ तैयबा के खंडहरों पर खड़ा हूं, जो (भारतीय) हमले में तबाह हो गया था। इसके पुनर्निर्माण का काम चल रहा है। यह मस्जिद पहले से भी बड़ी बनेगी। हालांकि, जागरण इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

इस बीच पाकिस्तान की ओर से दावा किया गया है कि भारतीय अभियान में नष्ट की गई इमारतों का इस्तेमाल अब आतंकवादी समूह द्वारा नहीं किया जाएगा। हालांकि, अगर अतीत में नजर डालें, तो पाकिस्तान की कथनी और करनी में बहुत अंतर रहा है। भारत ने नष्ट किए पाकिस्तान में बसे नौ आतंकी ठिकाने गौरतलब है कि लश्कर का मुरीदके कैंप उन नौ आतंकी संगठनों में एक था, जिसको भारतीय सेना ने 7 मई को पाकिस्तान और पीओके में स्थित आतंकी ठिकानों को नष्ट किया था। ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकिस्तान के कमर पर सीधे अटैक किया। कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत सेना ने बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद और सियालकोट में हिजबुल मुजाहिदीन के प्रमुख ठिकानों के साथ-साथ बरनाला और मुजफ्फराबाद में लश्कर के अन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया।

सिटिजनशिप टेस्ट मुश्किल बनाएगा ट्रंप प्रशासन

कठिन होगा अमेरिकी नागरिकता हासिल करना

न्यूयॉर्क, एजेंसी।
अमेरिकी नागरिकता हासिल करना अब कठिन होगा। ट्रंप प्रशासन ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी सरकार सिटिजनशिप टेस्ट को फिर मुश्किल बनाएगी, जिसमें अधिक जटिल प्रश्न होंगे।

अमेरिकी नागरिक बनने के लिए यह टेस्ट देना जरूरी है। यह कठिन परीक्षा उन लोगों को देनी होगी जो 20 अक्टूबर या उसके बाद आवेदन करेंगे। आवेदकों के पास परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए दो अवसर होंगे, उसके बाद उन्हें आवेदन प्रक्रिया पुनः शुरू करनी होगी।

नए टेस्ट के तहत आवेदकों को करना होगा यह काम: सीआइएस के प्रवक्ता मैथ्यू ट्रैगेसर ने कहा कि बदलाव के होने वाली परीक्षा सुनिश्चित करेगी कि नए नागरिक अमेरिका की महानता में योगदान दें। नए टेस्ट के

तहत आवेदकों को 10 में से छह प्रश्नों के स्थान पर अब 20 में से 12 प्रश्नों के सही उत्तर देने होंगे। सरल प्रश्न कम कर दिए गए हैं। अपने पहले कार्यकाल के अंत में, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टेस्ट में बदलाव को लागू किया था। नई व्यवस्था एक दिसंबर, 2020 से 30 अप्रैल, 2021 तक लागू थी, जिसके बाद बाइडन प्रशासन ने इसे समाप्त कर परीक्षा को सरल बना दिया।

पहले परीक्षा बहुत आसान थी: सीआइएस के निदेशक जोसेफ एडलो ने जुलाई में कहा था कि यह परीक्षा बहुत आसान थी। एडलो ने साक्षात्कार में कहा, इस समय जिस तरह की परीक्षा आयोजित की जा रही है, वह बहुत कठिन नहीं है। उत्तर याद करना बहुत आसान है। मुझे नहीं लगता कि हम वास्तव में कानून की भावना के अनुरूप काम कर रहे हैं।

नागरिकता परीक्षा में वर्तमान उत्तीर्णता दर 91 प्रतिशत है

अमेरिकी सरकार 1900 के समय से ही किसी न किसी रूप में नागरिकता परीक्षाएं आयोजित करती रही है। हालांकि, कोई मानक परीक्षा नहीं थी। 1950 के आंतरिक सुरक्षा अधिनियम ने अमेरिकी इतिहास और नागरिक शास्त्र के ज्ञान को नागरिकता के लिए आवश्यक बना दिया। सीआइएस के अनुसार, नागरिकता परीक्षा में वर्तमान उत्तीर्णता दर 91 प्रतिशत है।

जिमी किमेल का शो बंद होने पर डेमोक्रेट्स भड़के

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के एबीसी नेटवर्क ने मशहूर प्रस्तोता और कॉमेडियन जिमी किमेल के शो का प्रसारण अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का एलान किया है। इस बात से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद भड़क गए हैं और उन्होंने ट्रंप प्रशासन पर राजनीतिक आलोचकों को धमकाने का आरोप लगाया है। यही वजह है कि डेमोक्रेट सांसदों ने अब सरकारी अधिकारियों के खिलाफ अभिव्यक्ति की आजादी के लिए विधेयक पेश करने का फैसला किया है।

डेमोक्रेट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन विरोध की आवाजों को दबाने का प्रयास कर रहा है। डेमोक्रेट पार्टी आरोप लगाया कि ट्रंप सरकार ने एबीसी नेटवर्क पर दबाव बनाकर जिमी किमेल शो को बंद कराया है। हालांकि अमेरिकी संसद में इस समय रिपब्लिकन पार्टी का दबदबा है। ऐसे में डेमोक्रेट सांसदों के इस विधेयक के पारित होने की संभावना कम ही है। हाल ही में ट्रंप के करीबी और दक्षिणपंथी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की यूटा यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। चार्ली किर्क के संदिग्ध हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना को लेकर अमेरिकी समाज बंटा हुआ है। हाल ही में जिमी किमेल ने अपने शो में चार्ली किर्क के संदिग्ध हत्यारे टायलर रॉबिन्सन पर टिप्पणी की।

ट्रंप प्रशासन को झटका, जज ने ग्वाटेमाला के प्रवासी बच्चों को देश से निकालने पर रोक

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका की एक संघीय जज ने गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार को ग्वाटेमाला के प्रवासी बच्चों को तत्काल उनके देश वापस भेजने पर रोक लगा दी। ये बच्चे अकेले अमेरिका आए थे। ट्रंप की सख्त आप्रवासन (इमिग्रेशन) नीति को लेकर कानूनी विवाद में यह एक नया मोड़ है। जिला जज टिमोथी जे केली ने यह फैसला सुनाया। यह मामला उस समय सामने आया, जब ट्रंप प्रशासन ने श्रमिक दिवस की छुट्टियों के दौरान ग्वाटेमाला के उन बच्चों को निर्वासित करने की कोशिश की, जो सरकारी आश्रयों और फोस्टर केयर (अस्थायी देखभाल की व्यवस्था) में रह रहे थे।

ट्रंप प्रशासन ने किया था बच्चों को माता-पिता से मिलाने का दावा

ट्रंप प्रशासन ने दावा किया था कि वह बच्चों को उनके माता-पिता से मिलाने के लिए वापस भेज रहा है, क्योंकि माता-पिता खुद ऐसा चाहते थे। लेकिन जज केली ने कहा कि यह दलील एक हफ्ते में झूठी साबित हो गई। कोर्ट के सामने ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया गया, जिससे साबित हो सकते बच्चों के माता-पिता चाहते थे कि उन्हें वापस भेजा जाए।

जज के फैसले पर ट्रंप प्रशासन ने क्या कहा?

गृह सुरक्षा विभाग (होमलैंड सिक्योरिटी) की सहायक सचिव ट्रिशा मैकलॉघलिन ने अपने बयान में प्रशासन की बात दोहराई कि माता-पिता ने ही बच्चों की वापसी की मांग की थी। उन्होंने कहा, जज उन प्रयासों पर रोक लगा रहे हैं, जिनसे बच्चों को उनके परिवारों से मिलाया जा सकता था। अब इन बच्चों को फिर से सरकारी आश्रय गृहों में रहना होगा। यह ट्रंप को निशाना बनाने की कोशिश है। यह शर्मनाक और अनैतिक है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एबिगेल जैक्स ने बयान में कहा कि निचली कोर्ट ने परिवारों को मिलाने की इस कोशिश में

गलत तरीके से दखल दिया है।

बाल अधिकार कार्यकर्ताओं ने कोर्ट में सौंपी रिपोर्ट: बच्चों के अधिकारों के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं ने कोर्ट में एक रिपोर्ट भी सौंपी थी, जिसमें कहा गया कि जिन बच्चों को वापस भेजा जा रहा था, उनमें से कई पहले से ही बाल शोषण, गिरोह हिंसा और मानव तस्करी जैसी गंभीर परिस्थितियों का शिकार रहे हैं। जज केली ने इस बात का जिक्र अपने आदेश में भी किया। वहीं, राष्ट्रीय आव्रजन कानून केंद्र के उपाध्यक्ष एफ्रेन ओलवारेज ने कहा कि कोर्ट ने सरकार के बार-बार झूठ बोलने और कमजोर बच्चों को निशाना बनाने की कोशिशों को नाकाम कर दिया। अगर इन बच्चों को जबरन वापस भेजा जाता, तो वे खतरनाक परिस्थितियों में फंस सकते थे।

कोर्ट ने पहले भी दिया था अस्थायी आदेश

इससे पहले भी बच्चों की वापसी रोकने के लिए एक अस्थायी आदेश दिया गया था, लेकिन इसकी समयसीमा मंगलवार को समाप्त होने वाली थी। जज केली ने अब एक अस्थायी फैसला दिया है, जिससे वह अस्थायी सुरक्षा अब अनिश्चितकाल तक बढ़ा दी गई है। हालांकि, सरकार इस फैसले के खिलाफ अपील कर सकती है।

अन्य देशों के बच्चों पर भी लागू होगा फैसला?

जज केली ने यह मांग खारिज की कि अन्य देशों के बच्चों की वापसी पर भी रोक लगाई जाए। लेकिन उन्होंने कहा कि अगर सरकार इसी तरीके से अन्य बच्चों को भी वापस भेजेगी, तो वह भी अवैध माना जा सकता है। बच्चों के अधिकार के लिए काम कर रही संस्था किड्स इन नीड ऑफ डिफेंस के वकील हाल ही में होंडुरस गए थे, जहां सरकारी और गैर सरकारी संगठन अमेरिका से करीब 400 बच्चों की वापसी के लिए तैयारी कर रहे थे।

एरिजोना और इलिनॉइस जैसे अन्य राज्यों में भी कुछ मामलों में अस्थायी रोक लगी हुई है, लेकिन वह केवल कुछ विशेष बच्चों पर लागू होती है। इसलिए वॉशिंगटन का यह मामला और भी अहम माना जा रहा है। 30 अगस्त की रात ट्रंप प्रशासन ने उन आश्रयों को सूचित किया था कि बच्चों को वापस ग्वाटेमाला वापस भेजा जाएगा। ये बच्चे अकेले यात्रा करके आए यहां आए थे। उन्हें कुछ ही घंटों में बच्चों को तैयार रखने को कहा गया था।

मंडी बोर्ड की योजना ई-मंडी तथा एमपी फार्म गेट ऐप को मिला प्रतिष्ठित 'स्कॉच अवार्ड'

भोपाल। नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटैट सेंटर के सिल्वर ओक हॉल में प्रतिष्ठित स्कॉच अवार्ड - 2025 मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड, भोपाल द्वारा प्रवृत्त ई-मंडी एप को स्कॉच गोल्ड तथा एमपी फार्म गेट एप को स्कॉच सिल्वर अवार्ड दिया गया। दोनों एप्लीकेशन एनआईसी, भोपाल द्वारा विकसित की गई है।

पुरस्कार प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष प्रो. एस. महेंद्र देव, 15वें वित्त आयोग भारत सरकार के अध्यक्ष श्री एन के सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली डॉ. पिंकी आनंद, पूर्व सचिव केन्द्र सरकार डॉ. एम रामचंद्रन और अध्यक्ष स्कॉच ग्रुप श्री समीर कोचर द्वारा दिया गया।

प्रबंध संचालक श्री कुमार पुरुषोत्तम की ओर से वरिष्ठ तकनीकी निदेशक एनआईसी भोपाल श्री मुशर्रफ सुल्तान, सहायक संचालक मंडी बोर्ड भोपाल श्री योगेश नागले और डॉ. निरंजन सिंह द्वारा पुरस्कार ग्रहण किया गया।

ई-मंडी एप्लीकेशन: यह एक एंड्रॉयड एप्लीकेशन है। मंडी प्रांगण में प्रवेश से लेकर नीलामी, तौलए भुगतान और अनुज्ञा की कार्यवाही का रियल टाइम कंप्यूटराइजेशन है।

ई-मंडी योजना प्रदेश की सभी 259 मंडियों में क्रियाशील है। यह एंड्रॉयड बेस्ड एप्लीकेशन हैए जिसे किसान अपने एंड्राइड मोबाइल पर नि:शुल्क डाउनलोड कर अपने दाम पर अपने घर, खलियान, गोदाम से अपनी कृषि उपज को बेचने में सक्षम हुए हैं। किसानों को ऐसी सुविधा उपलब्ध कराने वाला देश में मध्यप्रदेश इकलौता राज्य है। इस ऐप का उपयोग कर 8.5 लाख से अधिक कृषकों द्वारा 8.5 लाख मेट्रिक टन से अधिक विभिन्न कृषि उपज विक्रय की गई हैं।

विकास, जनकल्याण और सुराज के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जन-जन को जीएसटी रिफॉर्म्स के लाभ दिलाने और स्वदेशी अभियान में शामिल करने के लिए हर स्तर जारी हैं गतिविधियां

मुख्यमंत्री निवास में सेवा पखवाड़ा के संबंध में बैठक

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार विकास, जनकल्याण और सुराज के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में 17 सितंबर से सेवा पखवाड़ा आरंभ किया गया है। साथ ही आमजन को जीएसटी रिफॉर्म्स के लाभ दिलाने तथा आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत जन-जन को स्वदेशी अभियान में शामिल करने के उद्देश्य से भी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान में आमजन की सक्रिय भागीदारी से सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास तथा वोकल फॉर लोकल की भावना के अनुरूप गतिविधियां जारी हैं। प्रत्येक वार्ड और ग्राम स्तर तक गतिविधियों का प्रभावी व्यवस्थित और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित बैठक में यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि %स्वच्छता ही सेवा अभियान%, %एक बगिया मां के नाम% और %एक पेड़ मां के नाम% के अंतर्गत पौधरोपण, नमो पार्क तथा नमो उपवन विकसित करने, विद्यालय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन, जनसामान्य को स्थानीय उत्पादों और हस्तशिल्प सामग्री खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने जैसी गतिविधियां जनभागीदारी से संचालित की जा रही हैं। विद्यालयों और महाविद्यालयों में %विकसित भारत% थीम पर निबंध, वाद-विवाद और चित्रकला प्रतियोगिताएं तथा संगोष्ठियां भी हो रही हैं। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल सहित श्री शिवप्रकाश और श्री हितानंद शर्मा उपस्थित थे।

साइबर हाइजीन धोखाधड़ी, हैकिंग, और डाटा चोरी जैसे ऑनलाइन खतरों से बचाता है

भोपाल। नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट (एनसीएचएसई), भोपाल एवं भारतीय दूरसंचार नियामक आयोग (ट्राई) द्वारा उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शा. उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय मधुसूदनगढ़, विकासखंड राघौगढ़, जिला गुना में साइबर हाइजीन पर जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में श्री आर चंद्रा, सीनियर फेलो एनसीएचएसई ने अपने उपकरण, डेटा और पहचान को सुरक्षित रखने के लिए सही डिजिटल आदतें अपनाने के लिए कहा । उन्होंने बताया कि मज़बूत और अलग पासवर्ड का उपयोग करें तथा मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन सक्षम करें। सॉफ़्टवेयर व ऑपरेटिंग सिस्टम को अपडेट रखें और केवल लाइसेंस प्राप्त ऐप्स का प्रयोग करें। संवेदनशील डेटा को सुरक्षित रखें, संदिग्ध लिंक/ईमेल को अनदेखा करें और किसी के साथ साझा न करें। मोबाइल और कंप्यूटर उपकरणों में एंटीवायरस सक्रिय रखें, स्क्रया बाहरी डिवाइस को हमेशा स्कैन करें। साइबर घटना की स्थिति में तुरन्त पासवर्ड बदलें, डिवाइस स्कैन करें और 1930 पर साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करें। सभी उपभोक्ताओं को बैंकिंग और डिजिटल पेमेंट सुरक्षा, सोशल मीडिया उपयोग में सावधानियां तथा साइबर क्राइम के संकेत पहचानने के उपाय साझा किए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि साइबर हाइजीन केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामुदायिक ज़िम्मेदारी है। केवाईसी कभी भी बैंक ऑनलाइन नहीं मांगता।

उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दिए मंत्र रुको, सोचो, फिर एक्शन लो को याद रखने को कहा । श्री अविनाश श्रीवास्तव, सीएजी मेंबर ने बताया, कि जैसे नियमित हाथ धोना बीमारियों से बचाता है, वैसे ही साइबर हाइजीन धोखाधड़ी, हैकिंग और डेटा चोरी जैसे ऑनलाइन खतरों से सुरक्षा प्रदान करता है उन्होंने उपभोक्ताओं को ट्राई एवं सीएजी के कार्यों के बारे में जानकारी दी एवं ट्राई द्वारा उपभोक्ता हित में बनाए गए दिशा निर्देशों, नियमों, विनियमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को साइबर क्राइम से बचाव की जानकारी दी स्कूल प्राचार्य श्री जैनेन्द्र कुमार सोलंकी ने बच्चों को अपने साथ हुई साइबर फ्रॉड संबंधी घटनाओं से बच्चों को जागरूक करते हुए, उससे कैसे बचे, के बारे में बताया एवं सभी बच्चों को मोबाइल का उपयोग करते समय सतर्क रहने की सलाह दी। स्कूल के आई टी शिक्षक श्री मयंक वर्मा ने बच्चों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूक किया। श्री हरि शंकर धुरिया ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देते हुए अपने परिवार, कार्यस्थल और समाज में जागरूकता फैलाने का आव्हान किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, एवं अन्य स्टाफ समेत लगभग 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

दादा गुरु के निराहार महाव्रत साधना के 1800 दिन पूर्ण होने पर भोपाल में आयोजित मां नर्मदा संवाद कार्यक्रम

कार्यक्रम के दौरान शोध वृत्तचित्र का प्रसारण एवं पत्रिका 'समर्थ सृष्टि' का होगा लोकार्पण,मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रुप में होंगे शामिल

भोपाल निप्र। राजधानी भोपाल में नर्मदा मिशन द्वारा रेवापथ के सिद्ध महायोगी दादा गुरु के सानिध्य में 21 सितंबर को दोपहर 3 बजे समन्वय भवन, भोपाल में माँ नर्मदा संवाद कार्यक्रम रखा गया है। यह आयोजन विशेष रूप से दादा गुरु के सदी की सबसे कठोर अखंड निराहार महाव्रत साधना के 1800 दिन पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं अति विशिष्ट अतिथि के रुप में उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ला, मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री श्री प्रह्लाद सिंह पटेल एवं मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग सम्मिलित होंगे।

संवाद कार्यक्रम का विस्तृत विवरण

नर्मदा मिशन द्वारा समन्वय भवन, भोपाल में दिनांक 21 सितंबर दिन रविवार दोपहर 3 बजे माँ नर्मदा संवाद कार्यक्रम प्रारंभ होगा। माँ नर्मदा संवाद चार विषयों वैश्विक संकट और चुनौतियां, एक साधना-एक समाधान, प्रकृति प्रधान भारतीय सनातन संस्कृति तथा माँ नर्मदा पर केंद्रित चिंतन संवाद इन विषयों पर रखा गया है। कार्यक्रम के दौरान शोध वृत्तचित्र का प्रसारण एवं पत्रिका 'समर्थ सृष्टि' का लोकार्पण किया जाएगा। नर्मदा मिशन ने समाज के सभी वर्गों से आह्वान किया है कि वे इस अवसर पर सम्मिलित होकर माँ नर्मदा के संदेश और दादा गुरु की तपस्या से प्रेरणा प्राप्त करें।

दादा गुरु का संक्षिप्त जीवन परिचय

दादा गुरु वर्तमान युग के उन दुर्लभ तपस्वियों में से हैं जिन्होंने 1800 दिनों से अधिक समय से अन्न का त्याग कर केवल नर्मदा जल पर जीवन यापन करने का महाव्रत धारण किया हुआ है। वे मां नर्मदा की परिक्रमा करते हैं और अपने इस तप और साधना से समाज को प्रकृति तथा नदियों के प्रति समर्पण व उनके संरक्षण का शाश्वत संदेश देते हैं। उनका जीवन सनातन संस्कृति की साधना शक्ति का सजीव उदाहरण है।

सकारात्मक सोच संगठन के कार्यक्रम में दिखा सेवा और सहयोग का जज़्बा

ज़िला पंचायत सीईओ और एसबीआई मैनेजर हुईं अभिभूत

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात में सराहे गए शहर के प्रतिष्ठित सकारात्मक सोच संगठन ने स्वच्छता पखवाड़े के तहत एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर ज़िला पंचायत की सीईओ इला तिवारी और एसबीआई बीएचईएल फैक्ट्री एरिया की ब्रांच मैनेजर अलका यादव मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुईं। कार्यक्रम में संगठन के ज़मीनी कार्यों और 200 से ज़्यादा महिलाओं के निस्वार्थ सेवा भाव को देखकर दोनों अतिथि बेहद प्रभावित हुईं और उन्होंने संगठन को अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण संगठन के कार्यों का विस्तृत प्रस्तुतिकरण रहा। ज़िला पंचायत सीइओ श्रीमती इला तिवारी जी ने अपने संबोधन में कहा, मैं यहाँ एक साधारण कार्यक्रम समझकर आई थी, लेकिन यहाँ के माहौल की सकारात्मकता, हरियाली, और आप सबके मुस्कुराते चेहरों ने मुझे भाव-विभोर कर दिया है। यह संगठन एक सागर बन चुका है। उन्होंने संगठन के ग्रामीण विस्तार के संकल्प को अपना पूरा समर्थन देने और मिलकर काम करने की इच्छा जताई, जिससे संगठन के अगले मिशन गाँव चलें हम को एक नई दिशा मिली है। वहीं, एसबीआई की ब्रांच मैनेजर श्रीमती अलका यादव जी ने संगठन को एक परिवार बताते हुए कहा कि एसबीआई का रिश्ता इस संगठन से पुराना है और वो भी व्यक्तिगत रूप से इसका हिस्सा बनकर अपना योगदान देना चाहेंगी। कार्यक्रम का सफल और ऊर्जावान संचालन अमित वाधवा ने किया।

पुलिस ने मोबाईल लुटेरे, वाहन चोरों को दबोचा

भोपाल निप्र। नगरीय क्षेत्र भोपाल में मोबाइल झपटमारी तथा वाहन चोरी की रोकथाम एवं अपराधियों को पकड़कर शतप्रतिशत बरामदगी हेतु पुलिस आयुक्त भोपाल श्री हरिनारायणचारी मिश्र (भापुसे) एवं अति. पुलिस आयुक्त श्री अवधेश गोस्वामी (भापसे) द्वारा निर्देशित किया गया है। उक्त दिशा निर्देशो के तारतम्य मे पुलिस उपायुक्त जोन-02 श्री विवेक सिंह (भापुसे) एवं अति.पुलिस उपायुक्त श्री गौतम सोलंकी के पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त एम.पी.नगर संभाग श्री मनीष भारद्वाज (भापुसे) के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी निरीक्षक महेश लिल्हारे के नेतृत्व मे गठित टीम ने 02 विधि विरोधी बालक सहित 03 आरोपियों को पकडकर 10 वाहन चोरी, तथा 13 मोबाईल छिनने की घटनाओं सहित कुल 23 घटनाओं का पर्दाफाश किया तथा 10 मो.सा. तथा 13 स्मार्टफोन सहित कुल लगभग 12 लाख रुपये का मसरुका बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। घटना का विवरण- क्षेत्र में घटित मोबाइल स्नेचिंग तथा वाहन चोरी की घटना पर वरिष्ट अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीम द्वारा मामुर मुखबिर की सूचना पर नवनिर्मित हाउसिंग बोर्ड मल्टी अयोध्या एक्सटेंशन अयोध्या नगर से 02 विधि विरोधी बालक को चोरी की मो.सा. स्प्लेंडर सहित पकडा जिसके बाद अन्य साथी आरोपी रवि पाल पुत्र मनमोहन पाल, 27 साल, निवासी झूग्गी 248 क्रेसर बस्ती सुखीसेवनिया को चोरी की स्प्लेंडर के साथ पकडा, पुलिस पूछताछ में विभिन्न थाना क्षेत्र से चोरी की कुल 10 मो.सा. तथा झपटामारी के 13 मोबाइल सहित कुल लगभग 12 लाख रुपये का मसरुका बरामद किया गया।

सस्टेनेबल कोल्ड चेन सिस्टम्स फॉर विज़न-2047 पर हुई राज्य स्तरीय कार्यशाला

भोपाल। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान, भोपाल, राज्य नीति आयोग, मध्यप्रदेश एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में 'सस्टेनेबल कोल्ड चेन सिस्टम्स फ़ॉर विजन 2047' विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मत्स्य, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण, सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम, राज्य आजीविका मिशन, ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड और इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, भोपाल द्वारा सक्रिय सहभागिता की गयी। कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य राज्य में कृषि, मत्स्य, उद्यानिकी एवं वे सभी खाद्य उत्पाद एवं पदार्थों, जिनके परिवहन में कोल्ड चेन की आवश्यकता होती है, उन उत्पादों के सस्ते, सुचारु एवं टिकाऊ कोल्ड चेन समाधानों पर परिचर्चा करना तथा राज्य में इस कार्य के लिये भविष्य में की जाने वाली योजनाओ पर विचार मंथन कर शासन को सुझाव देना है। उद्घाटन सत्र में अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान संचालक ऋषि गर्ग एवं राज्य नीति आयोग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने संबोधित किया। उन्होंने राज्य में सस्ते, टिकाऊ कोल्ड चेन तंत्र की आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर के प्रो. शिव कुमार एवं श्री कपिल भारती द्वारा कोल्ड चेन के प्रबंधन के लिये नवीन विकसित यंत्र फ़ेस चेंज मटेरियल पर आधारित ÷कोल्ड चेन बॉक्स÷ का प्रदर्शन, विस्तृत प्रस्तुति कर उसकी उपयोगिता विषय पर जानकारी दी। सलाहकार, इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन श्री हेमेंद्र माथुर ने नवीन कृषि प्रौद्योगिकी एवं नवाचारों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये राज्य में किसान मेला, कृषि विज्ञान केंद्र, किसानों के लिए प्रमाणिक डिजिटल कंटेंट की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने पोस्ट हार्वेस्ट फसल नुक़सान को कम करने के साथ कोल्ड चेन के विभिन्न समाधानों पर राज्य स्तरीय संगोष्ठी पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में शासन द्वारा संचालित योजनाओं में संभावित समायोजन के लिये नीतिगत बदलावों एवं अवसर पर विस्तृत चर्चा की गई। इस सत्र का संचालन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इंदौर के प्रो. पवन ने किया। दूसरे एवं अंतिम सत्र में विभिन विभागों द्वारा अभिसरण की सम्भावनाओं एवं नीतिगत चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस सत्र का संचालन भारतीय वन प्रबंध संस्थान, भोपाल के प्रो. योगेश दुबे ने किया। कार्यशाला में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर द्वारा कोल्ड चेन के प्रबंधन के लिये विकसित यंत्र फ़ेस चेंज मटेरियल पर आधारित ÷कोल्ड चेन बॉक्स÷ का प्रदर्शन किया गया।

भागवत कथा में छप्पन भोग एवं गोवर्धन पूजन का आयोजन

भोपाल, नप्र। नुक्कड वाली माता मंदिर पर श्राद्व पक्ष के अवसर पर चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन छप्पन भोग लगाया गया। कथा व्यास अनिल रूद्र महाराज के मुखारविंद से गोवर्धन पूजन का वर्णन सुनाया गया। महाराज ने कहा कि छप्पन भोग, भगवान कृष्ण के प्रति भक्ति का एक भव्य व्यंजन उत्सव है, जिसमें 56 तरह के व्यंजन अर्पित किए जाते हैं, जो कि गोवर्धन पूजा के दौरान मनाया जाता है। यह प्रथा इंद्र के प्रकोप से ब्रजवासियों को बचाने के लिए भगवान कृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने की कहानी से प्रेरित है, जिसके बाद उन्हें सात दिन और आठ पहर के हिसाब से 56 तरह के व्यंजन खिलाए गए थे। इस अवसर पर मुख्य रूप से विधायक प्रतिनिधि भाजपा के जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष पंडित कैलाश मिश्रा, सुनील सिंघल ने व्यास पीठ का पूजन करके आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर भूपेन्द्र गुर्जर, रोहित चौहान, श्याम कनोजिया, बजरंग सेना समिति के मुख्य सलाहाकार रुप कुमार सोनी, कमलेश देवानी, गुरदास रामचंदानी आदि शामिल है।

कन्या महाविद्यालय में छात्राओं के लिए विशेष संवाद सत्र का आयोजन

भोपाल, नप्र। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में बी. कॉम एवं बी.बी.ए. की नवागत छात्राओं के लिए एक विशेष संवाद सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था प्रमुख सिद्ध भाऊ, प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी, शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के स्वागतीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने छात्राओं को जीवन में सफलता प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि जीवन में सदैव लक्ष्य निर्धारित कर उसे प्राप्त करने की दिशा में सतत् प्रयासरत रहना चाहिए। सत्र में सिद्ध भाऊ ने कहा कि स्कूल शिक्षा जीवन में नींव का कार्य करती हैं। यह समय तपस्या और कठिन परिश्रम का है। छात्राएं टाइम मैनेजमेंट और स्वाध्याय का पालन करते हुए एकाग्रता, धैर्य और परिश्रम से अपनी पढ़ाई करें। माता-पिता

और गुरुजनों के सम्मान एवं उनकी बातों को आत्मसात करने को जीवन में सफलता का मूल मंत्र बताया। आपने छात्राओं को यह भी समझाया कि जीवन में किसी भी कठिनाई या असफलता से घबराकर कोई गलत कदम कभी न उठाएं, क्योंकि जीवन अत्यंत अमूल्य है। धैर्य और विश्वास से ही हर चुनौती का सामना करना चाहिए।

गौधाम को बनाया जाएगा आत्मनिर्भर: शुक्ल

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा पर्व में हिनौती गौधाम रीवा में वृहद वृक्षारोपण किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने आम, अमरूद के पौधे लगाये। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गौमाताओं के संरक्षण के लिए हिनौती गौधाम का निर्माण कराया गया है। उन्होंने कहा कि गोमाता का संपूर्ण शरीर पूज्यनीय व पवित्र है। यहां तक कि उनका गोबर व गौमूत्र भी पूजन के कार्य आता है। आने वाले समय में दूध न देने वाली गोमाताओं के गोबर व गौमूत्र से भी गौधाम को लाखों की आमदनी होगी। गौधाम को रेवेन्यू मॉडल के तहत आत्मनिर्भर बनाया जायेगा। इस प्रकल्प का मास्टर प्लान बना लिया गया है। शेड निर्माण का कार्य प्रगति पर है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गौधाम में 75 शेड बनाकर 50 हजार से अधिक गौवंश को संरक्षित किया जायेगा। इनके संरक्षण से गौवंश की रक्षा होगी तथा किसानों की खेती भी सुरक्षित रहेगी। गोमाता की कृपा से यह क्षेत्र सुखी व समृद्धशाली होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गौधाम में वन विभाग द्वारा किये गये वृहद वृक्षारोपण की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि वन विभाग द्वारा 3500 से अधिक फलदार व छायादार पौधों का रोपण किया गया है। उन्हें जो भूमि आवंटित हुई है, उसमें आने वाले समय में इतने ही पौधे और लगाये जायेंगे। इन सब पौधों के बड़े होने पर आगामी 4 से 5 वर्षों में यहां का दृश्य और भी मनोरम होगा। कार्यक्रम में सांसद श्री जनार्दन मिश्र, विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति, नगर निगम अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, वन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

सामूहिक भागीदारी से प्रदेश में चल रहा है सेवा पखवाड़ा

भोपाल, नप्र। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म-दिन 17 सितम्बर से प्रदेश में शुरू हुए सेवा पखवाड़ा अभियान में सामूहिक भागीदारी से सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई का अभियान चल रहा है। इसी के साथ महिला सशक्तिकरण सहित अन्य गतिविधियां भी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही हैं। सेवा पखवाड़ा अभियान 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक निरंतर चलेगा। प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास के निर्देश पर 1250 से अधिक स्वच्छता श्रमदान गतिविधियाँ हुईं। स्वच्छता लक्षित इकाइयों पर विशेष ध्यान देकर सफाई और सौंदर्यीकरण का कार्य किया गया। इस आयोजन में 6 हजार से अधिक जन-प्रतिनिधि और एक लाख 50 हजार से अधिक सामाजिक संगठन के सदस्य, युवा, विद्यार्थी, स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर और सफाई मित्र शामिल हुए। जन-प्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वच्छता ही सेवा अभियान का उद्देश्य न केवल सफाई को बढ़ावा देना बल्कि नागरिकों के बीच स्वच्छता को निरंतर उत्सव के रूप में आत्मसात करना है।

नर्मदापुरम जिले की विभिन्न तहसीलों और विकासखण्डों में स्वच्छता को लेकर साफ-सफाई अभियान चलाया गया। इटारसी में जन-सामान्य को स्वच्छता का संदेश दिया गया। नागरिकों को गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखने की समझाइश दी गई। हरदा जिले में अननान नदी के तट पर श्रमदान किया गया। नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती, नागरिकों और अधिकारी-कर्मचारियों ने श्रमदान किया। बैतूल में कलेक्टर श्री नरेन्द्र सूर्यवंशी के निर्देश पर कोठी बाजार और गंज क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रबंधन को लेकर जागरूकता एवं कार्यवाही की गयी। स्वच्छता अमले ने व्यापारियों को पॉलिथिन का उपयोग न करने के स्थान पर कपड़े के थैले का उपयोग करने की समझाइश दी। प्रशासनिक कार्यवाही करते हुए अमले ने सिंगल यूज प्लास्टिक का यूज करने वाले व्यापारियों पर 16 हजार रुपये चालान की राशि वसूल की और 54 किलो पॉलीथिन जप्त किया। अनूपपुर जिले के अमरकंटक में वन एवं पर्यावरण और प्रभारी मंत्री श्री दिलीप अहिरवार ने अभियान के अंतर्गत पौध-रोपण किया। प्रभारी मंत्री ने नर्मदा नदी के दक्षिण घाट पर बेल का पौधा रोपित किया। उनके साथ महिला स्व-सहायता समूह की सदस्यों ने नींबू, जामुन, आम और अमरूद के पौधे लगाये। शहडोल में मोहनराम तालाब की साफ-सफाई की गयी। नगर के गाँधी स्टेडियम में एनसीसी, एनएसएस, स्कूल के छात्र-छात्राओं, नगरपालिका के स्टॉफ ने मानव श्रंखला बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया।

दमोह जिले के पथरिया में पशुपालन राज्यमंत्री श्री लखन पटेल %स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार% कार्यक्रम में शामिल हुए। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा को मजबूत कर महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारा जा सकता है। कार्यक्रम में 8वाँ राष्ट्रीय पोषण माह और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के बारे में जानकारी दी गयी।

सागर में सामूहिक भागीदारी से स्वच्छता कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम दीनदयाल चौराहे पर लगी पं. दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति की सफाई से किया गया और माल्यार्पण किया गया। बस स्टैण्ड पर नागरिकों की भागीदारी से सफाई की गयी। कार्यक्रम में विधायक श्री शैलेन्द्र जैन, महापौर सागर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी एवं नागरिक शामिल हुए।

अनीत पड्डा और 'शक्ति शालिनी' कास्टिंग विवाद, मेकर्स ने तोड़ी चुप्पी

अनीत पड्डा के 'शक्ति शालिनी' में कियारा आडवाणी को रिप्लेस करने की खबरें महज अफवाह निकलीं। मेकर्स ने साफ किया कि अब तक फिल्म की कास्टिंग को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है ।मोहित सूरी की फिल्म 'सैयारा' से पॉपुलर हुई एक्ट्रेस अनीत पड्डा इन दिनों सुर्खियों में हैं। उनकी पहली फिल्म की सफलता के बाद से ही फैंस यह जानने के लिए उत्सुक थे कि वह अगली बार किस बड़े प्रोजेक्ट में नजर आएंगी। हाल ही में खबरें सामने आईं कि अनीत पड्डा, मैडॉक फिल्म्स के हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' में लीड रोल निभाने जा रही हैं और उन्होंने कियारा आडवाणी को रिप्लेस कर दिया है। लेकिन अब इन खबरों पर मेकर्स ने ऑफिसियल बयान जारी कर स्थिति साफ कर दी है ।शुक्रवार को मैडॉक फिल्म्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया। इस पोस्ट में उन्होंने साफ किया कि 'शक्ति शालिनी' या 'महा मुंज्या' जैसी अपकमिंग फिल्मों की कास्टिंग को लेकर फैल रही खबरें पूरी तरह से गलत और अफवाहें हैं ।मेकर्स ने लिखा, हम अपने हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स को लेकर दर्शकों की उत्सुकता को समझते हैं। लेकिन हम यह बिल्कुल स्पष्ट करना चाहते हैं कि अभी तक किसी भी फिल्म की कास्टिंग को लेकर कोई ऑफिसियल घोषणा नहीं की गई है। मीडिया और फैंस से हमारी अपील है कि किसी भी गलत जानकारी को न फैलाएं और ऑफिशियल स्टेटमेंट का इंतजार करें ।मेकर्स के बयान के बाद भी सोशल मीडिया पर अनीत पड्डा को लेकर चर्चा थमी नहीं। एक यूजर ने लिखा, अगर अनीत को कास्ट नहीं किया गया है, तो उन्हें जरूर कास्ट करना चाहिए। वह इस रोल के लिए परफेक्ट हैं ।卐 दूसरे ने कमेंट किया, अनीत बेहद वर्सेटाइल एक्ट्रेस हैं। उन्हें ये रोल जरूर मिलना चाहिए ।卐 वहीं कुछ फैंस ने कियारा आडवाणी को इस किरदार में देखने की इच्छा जताई।

तान्या मित्तल ने खोला राज- क्यों रखती हैं करवा चौथ का व्रत, फैंस ने दी प्रतिक्रिया

बिग बॉस 19 का माहौल हर दिन नया ट्विस्ट लेकर आता है। इस बार घर की चर्चाओं में रही तान्या मित्तल, जिन्होंने करवा चौथ को लेकर अपना नजरिया सबके सामने रखा। उन्होंने बताया कि वो किनके लिए यह व्रत रखती हैं। हालांकि, उनके इस बयान से घरवालों में खलबली मच गई और खासकर नेहल और नीलम इसे हजम नहीं कर पाए ।तान्या ने कैमरे के सामने खुलकर कहा कि करवा चौथ उनके लिए सिर्फ रस्म नहीं है, बल्कि एक इमोशनल कनेक्शन है। वो यह व्रत अपने दिल के बेहद करीब इंसानों के लिए रखती हैं ।तान्या के इस बयान को सुनकर कुछ कंटेस्टेंट्स ने उनकी सोच की तारीफ की, तो वहीं कुछ ने इसे ओवरड्रामेटिक बताया। माहौल तुरंत ही चर्चाओं से गर्म हो गया ।नेहल और नीलम ने साफ कहा कि उन्हें तान्या का यह रवैया समझ नहीं आया। उनके मुताबिक, व्रत का मकसद पवित्रता और समर्पण है, न कि पब्लिसिटी ।तान्या के बयान का असर शो के बाहर भी देखने को मिला। ट्विटर और इंस्टाग्राम पर लोग उनकी सोच पर अपनी-अपनी राय देने लगे। किसी ने इसे मॉडर्न सोच बताया तो किसी ने इसे ध्यान खींचने की कोशिश ।तान्या के इस खुलासे के बाद घर के रिश्तों में नई खटास और मिठास दोनों घुल गई। जहां कुछ लोग उनके और करीब आ गए, वहीं कुछ ने दूरी बना ली ।अब दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि आने वाले एपिसोड्स में तान्या और बाकी कंटेस्टेंट्स के बीच यह मुद्दा किस तरह नया मोड़ लेगा।

शबाना आजमी के बर्थडे पर जमकर थिरकी रेखा, माधुरी और विद्या

बीते दिन शबाना आज़मी का जन्मदिन था। जिसे बॉलीवुड के तमाम दिग्गज कलाकार मस्त मौला अंदाज में सेलिब्रेट करते हुए दिखाई दिए। यहां पर कई हसीन चेहरे नजर आए जिनमें रेखा से लेकर माधुरी दीक्षित तक शामिल है। इस बर्थडे सेलिब्रेशन के कई वीडियो सामने आए हैं। जिनमें ये अदाकाराएं डांस करते दिखाई दे रही ।शबाना आजमी, माधुरी दीक्षित और रेखा का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। जिसमें उन्हें परिणीता के गाने 'कैसी पहेली जिंदगानी' पर जमकर डांस करते हुए देखा जा रहा है। शबाना आज़मी ने ये डांस शुरू किया, जहां परिणीता गर्ल विद्या और अन्य एक्ट्रेस उनके साथ थी ।शबाना आजमी के जन्मदिन के सेलिब्रेशन में बॉलीवुड इंडस्ट्री के सितारों की महफिल सजी। यहां रेखा, माधुरी दीक्षित, विद्या बालन और उर्मिला मातोंडकर जैसे कलाकार दिखाई दिए। सभी ने केक कटिंग करने के साथ अलग-अलग गानों पर जमकर डांस किया ।सोशल मीडिया पर संजय कपूर ने इस सेलिब्रेशन की झलकियां शेयर की है। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा 卐जन्मदिन मुबारक हो शबाना आज़मी। क्या शानदार शाम थी। उन्होंने अपनी पोस्ट में रेखा को ह्वत्र क्वीन बताया। इसके अलावा उन्होंने माधुरी दीक्षित, उर्मिला मातोंडकर और विद्या बालन को टैग भी किया।

जो वीडियो सामने आया है उसमें माधुरी दीक्षित लाल रंग के को-ऑर्ड सेट में नजर आ रही हैं। रेखा ने ब्लैक एंड व्हाइट स्टाइलिश आउटफिट पहना है। विद्या बालन ग्रे कलर की ड्रेस में हैं और उर्मिला मातोंडकर बनारसी प्रिंट को-ऑर्ड पहने नजर आ रही हैं। इस वीडियो को बहुत पसंद किया जा रहा है ।इस सेलिब्रेशन से एक और वीडियो सामने आया है। जिसमें शबाना आज़मी अपने पति और लेखक जावेद अख्तर के साथ पार्टी में चार चांद लगाती नजर आई। जावेद ने अपनी पत्नी के साथ डांस किया और हर कोई उनका दीवाना हो गया। हर कोई इस क्यूट मोमेंट को अपने कैमरा में कैद करता दिखाई दिया। अपने जन्मदिन के मौके पर शबाना आजमी ने रेड और ब्लैक गाउन पहना हुआ था। उनके साथ ट्विनिंग करते हुए जावेद ने रेड कुर्ता और ब्लैक नेहरू जैकेट पहनी थी।

कल्कि के सीक्वल से निकाले जाने के बाद दीपिका ने तोड़ी चुप्पी

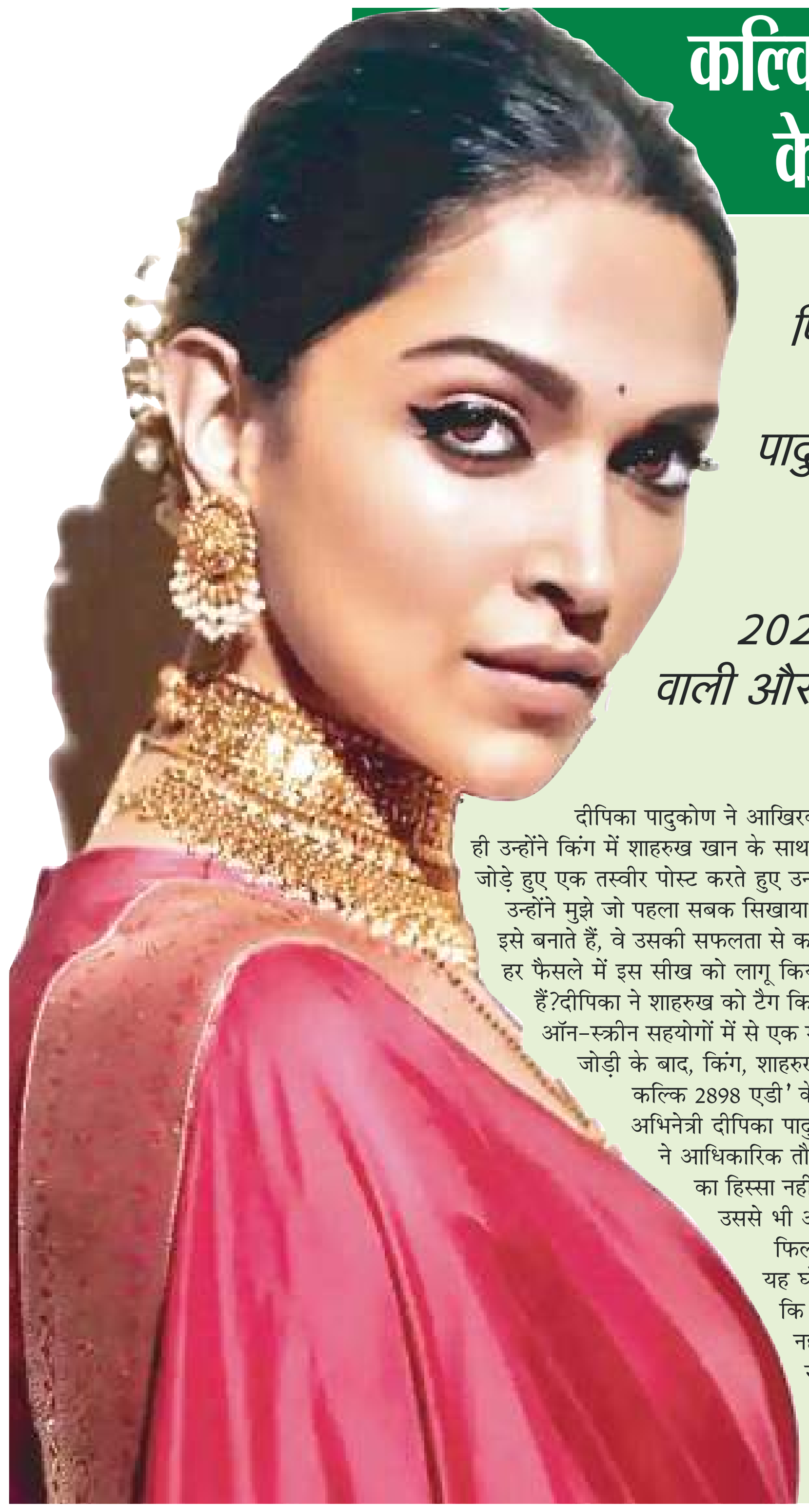

2024 में रिलीज हुई नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी जैसे कलाकारों ने काम किया है. बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए यह फिल्म 2024 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली और इतिहास की चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तेलुगु फिल्म बनी थी.

दीपिका पादुकोण ने आखिरकार कल्कि 2898,ष्ठ सीक्वल से एग्जिट पर आखिरकार चुप्पी तोड़ी है. साथ ही उन्होंने किंग में शाहरुख खान के साथ फिर से काम करने की रोमांचक खबर भी शेयर की. दीपिका ने दोनों हाथ जोड़े हुए एक तस्वीर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, %लगभग 18 साल पहले ओम शांति ओम की शूटिंग के दौरान उन्होंने मुझे जो पहला सबक सिखाया था, वह यह था कि फिल्म बनाने का अनुभव और आप जिन लोगों के साथ इसे बनाते हैं, वे उसकी सफलता से कहीं ज़्यादा मायने रखते हैं. मैं इससे पूरी तरह सहमत हूं और तब से मैंने अपने हर फैसले में इस सीख को लागू किया है. और शायद यही वजह है कि हम साथ में अपनी छठी फिल्म बना रहे हैं?दीपिका ने शाहरुख को टैग किया और हैशटैग King और हैशटैग Da41 जोड़कर बॉलीवुड के सबसे चर्चित ऑन-स्क्रीन सहयोगों में से एक में एक नए चैप्टर का संकेत दिया. 2007 में ओम शांति ओम में उनकी पहली जोड़ी के बाद, किंग, शाहरुख के साथ उनकी छठी फिल्म होगी.

कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल का इंतजार दर्शकों को लंबे समय से है. पहले कहा जा रहा था कि अभिनेत्री दीपिका पादुकोण इसमें अपने रोल को आगे बढ़ाती दिखाई देंगी. इसी बीच, निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी कि अब अभिनेत्री दीपिका पादुकोण फिल्म के सीक्वल का हिस्सा नहीं हैं. इसके पीछे उन्होंने तर्क दिया है कि यह सुपरहिट फिल्म प्रतिबद्धता और उससे भी अधिक% की हकदार है.

फिल्म की निर्माण कंपनी वैजयंती मूवीज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह घोषणा की. कंपनी ने पोस्ट में लिखा, यह आधिकारिक घोषणा की जाती है कि दीपिका पादुकोण अब 'कल्कि 2898 एडी' के आगामी सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी. गहन विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया है कि हम आगे साथ काम नहीं करेंगे. पहली फिल्म के लंबे सफर के बावजूद हमारी कोई स्थायी साझेदारी नहीं बन सकी. 'कल्कि 2898 एडी' जैसी फिल्में पूर्ण समर्पण और उससे भी अधिक प्रतिबद्धता की हकदार हैं. हम दीपिका को उनके भविष्य के प्रोजेक्ट्स के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

श्रद्धा ने राहुल मोदी संग किया प्यार का इज़हार

श्रद्धा कपूर ने आखिरकार अपने रिश्ते को दुनिया के सामने ऑफिशियल कर दिया है। राहुल मोदी संग उनका यह प्यारा वीडियो और दिल छू लेने वाला कैप्शन न सिर्फ फैंस बल्कि इंडस्ट्री के लोगों को भी खूब पसंद आया। अब सभी को इस कपल से आगे की खुशखबरी का बेसब्री से इंतजार है।

बॉलीवुड की चुलबुली अदाकारा श्रद्धा कपूर ने आखिरकार अपने फैंस को वह खुशखबरी दे दी, जिसका सभी बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे। लंबे समय से उनके और लेखक-क्रिएटिव प्रोड्यूसर राहुल मोदी के बीच रिलेशनशिप की खबरें चल रही थीं। अब श्रद्धा ने एक मज़ेदार वीडियो शेयर कर इन बातों को कन्फर्म कर दिया है। इसके साथ उन्होंने राहुल को टैग किया और फैंस ने तुरंत ही उन्हें बेस्ट जॉडी का खिताब दे दिया।

श्रद्धा कपूर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक क्यूट और प्लेफुल वीडियो डाला। वीडियो में उनकी हंसी और बेफिक्री साफ झलक रही थी, जो उनके रिश्ते की मजबूती को बयां कर रही थी।

वीडियो के साथ श्रद्धा ने लिखा कोई ऐसा ढूंढो, जो ये नखरे उठाए। इस कैप्शन ने फैंस को और भी ज्यादा कन्फर्म कर दिया कि श्रद्धा और राहुल अब अपने रिश्ते को दुनिया के सामने स्वीकार कर चुके हैं।

वीडियो पोस्ट होते ही सोशल मीडिया पर फैंस ने उन्हें बधाइयों से भर दिया। कमेंट सेक्शन में लोग हार्ट और फायर इमोजी के साथ 'पर्फेक्ट कपल' लिखकर उनकी तारीफ कर रहे हैं।

सिर्फ फैंस ही नहीं, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री के उनके दोस्तों और को-स्टार्स ने भी इस कपल को प्यार और दुआएँ दीं। कई सेलेब्स ने कमेंट कर लिखा अब इंतजार खत्म

लंबे समय से चल रही थीं चर्चाएं

श्रद्धा और राहुल को कई बार पब्लिक इवेंट्स और प्राइवेट पार्टियों में साथ देखा गया था। हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते पर खुलकर कुछ नहीं कहा। अब श्रद्धा की इस पोस्ट ने सब कुछ साफ कर दिया है।

करियर और रिश्ते में बैलेंस

श्रद्धा कपूर इस समय अपनी अपकमिंग फिल्मों में बिजी हैं, वहीं राहुल मोदी बतौर लेखक और क्रिएटिव पर्सन इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। दोनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ और रिश्ते को अच्छे से बैलेंस करते नजर आते हैं।

चाइना मास्टर्स

सिंधू चाइना मास्टर्स से बाहर, कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ 38 मिनट में सीधे गेमों में हारीं

शेनझेन, एजेंसी। कोरिया के खिलाड़ी ने मैच में शानदार खेल दिखाया और पीछे मुड़कर नहीं देखा और भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ अपना दबदबा बरकरार करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई।भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधू का विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग के खिलाफ निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा और वह शुक्रवार को यहां चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में इस कोरियाई खिलाड़ी से सीधे गेम में हार गई। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली 23 वर्षीय कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ 38 मिनट में 14-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधू की आन के खिलाफ यह लगातार आठवीं हार थी। वह कोरिया की खिलाड़ी के खिलाफ अभी तक एक भी मैच नहीं जीत पाई हैं। सिंधू की शुरुआत खराब रही और वह पहले गेम में एक समय 1-6 से पीछे चल रही थीं, लेकिन बाद में उन्होंने स्कोर 5-9 कर लिया। आन ने हालांकि ब्रेक तक 11-5 की बढ़त बना ली। सिंधू 11-14 पर स्कोर को करीब लाने में कामयाब रहीं, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने अपनी पकड़ बनाए रखी और पहला गेम आसानी से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सिंधू ने कुछ देर के लिए 3-2 की बढ़त बना ली, लेकिन आन ने जल्द ही नियंत्रण हासिल कर लिया। भारतीय खिलाड़ी ने आक्रामक खेल से बढ़त बनाने की कोशिश की और एक समय वह 7-8 से पीछे चल रही थीं, लेकिन आन के बेहतरीन खेल और विविधता ने उन्हें ब्रेक तक 11-7 से आगे कर दिया।

इंडिया-ए-ऑस्ट्रेलिया-ए

देवदत्त पडिक्कल की धमाकेदार वापसी, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ठोका शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने भारत की ए टीम में वापसी करते हुए शतक लगा दिया. उन्होंने शुक्रवार को लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अपना सातवां फर्स्ट क्लास शतक लगाया. गुरुवार के अपने 86 रन के स्कोर को आगे बढ़ते हुए पडिक्कल ने चौथे दिन यानी शुक्रवार की सुबह केवल 20 गेंदों में अपना शतक पूरा किया. उनकी इस पारी से भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया ए की पहली पारी के 532/6 के विशाल स्कोर के करीब पहुंच. पडिक्कल ने इस दौरान अपने 3000 फर्स्ट क्लास रन भी पूरे किए. उन्होंने 74वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की. 25 साल के पडिक्कल मई के बाद से केवल अपना दूसरा प्रतिस्पर्धी मैच खेल रहे हैं. वह आईपीएल 2025 में चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम का हिस्सा थे. पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ धर्मशाला में अपने टेस्ट डेब्यू पर अर्धशतक लगाने के बाद पडिक्कल 2024 में पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 केवल एक और मैच खेले थे. 23 गेंदों में जीरो पर आउट होने और दूसरी पारी में 25 रन बनाने के बाद पडिक्कल को बाकी मैचों की प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया था,

हाथ मिलाने पर नहीं क्रिकेट पर ध्यान दें

इंडिया-पाकिस्तान मैच कंट्रोवर्सी

हैंडशेक विवाद पर भड़के कपिल, पाक को दी नसीहत

दुबई, एजेंसी। अब इस पूरे मामले पर भारत के दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव का बयान आया है। उन्होंने पाकिस्तान को नसीहत दी है कि इन बयानबाजी से दूर रहकर क्रिकेट पर ध्यान दें। एशिया कप 2025 के दौरान ग्रुप स्टेज में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा की तरह हाईवोल्टेज रहा। रविवार को दुबई में खेले गए मैच में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। हालांकि, मैच के बाद असली सुर्खियां टीम इंडिया के खिलाड़ियों के फैसले ने बटोरीं। भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ मिलाए बिना ड्रेसिंग रूम में लौट गई। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। पाकिस्तान ने तो इस पर विवाद खड़ा कर दिया। उसने आईसीसी तक से शिकायत कर दी। हालांकि, उन्हें ही आईसीसी से मुंह की खानी पड़ी। अब इस पूरे मामले पर भारत के दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव का बयान आया है। उन्होंने पाकिस्तान को नसीहत दी है कि इन बयानबाजी से दूर रहकर क्रिकेट पर ध्यान दें।

पहलगाम हमले के बाद पहला मुकाबला

यह मुकाबला पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों टीमों के बीच पहला मैच था। इस हमले के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। सूर्यकुमार यादव ने मैच के बाद जीत को भारतीय सेना को समर्पित किया और कहा कि टीम पहलगाम हमले में जान गंवाने वालों के परिवारों के साथ खड़ी है।

कपिल देव का बयान

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कपिल देव ने इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पाकिस्तानी टीम या खिलाड़ियों को खेल पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा- ये सब छोटी-छोटी बातें हैं। ध्यान क्रिकेट खेलने पर होना चाहिए। अगर कोई हाथ नहीं मिलाना चाहता है तो इसे बड़ा मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है। दोनों तरफ से बेवजह बयानबाजी करना ठीक नहीं है।

टीम इंडिया का शानदार प्रदर्शन

भारत ने इस मुकाबले में पहले गेंदबाजी करते हुए पाकिस्तान को 127/9 के स्कोर पर रोक दिया। गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। कप्तान सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा ने ताबड़तोड़ पारी खेलकर टीम को आराम से जीत दिलाई। यह भारत की ग्रुप स्टेज में लगातार दूसरी जीत थी। भारत और पाकिस्तान का सामना 21 सितंबर को फिर से होना है। सुपर-फोर स्टेज में यह मुकाबला खेला जाएगा।

कपिल देव ने दी टीम इंडिया को बधाई

कपिल देव ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, भारतीय टीम पिछले 20 वर्षों से बहुत अच्छा खेल रही है। हमारी क्रिकेट बहुत संगठित है और आईसीसी टूर्नामेंट्स में हमेशा शानदार प्रदर्शन करती है। मुझे पूरी उम्मीद है कि टीम इंडिया एशिया कप 2025 जीतेगी।

मैच रेफरी से पंगा लेना पाकिस्तान को पड़ेगा भारी...

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 में पाकिस्तानी टीम खेल से ज्यादा दूसरी वजहों से सुर्खियां बटोर रही है. पाकिस्तानी टीम ने संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ मुकाबले से पहले खूब नाटक किया. पाकिस्तान की ओर से मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की गई थी. इसे इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने खारिज किया था. फिर पाकिस्तान ने टूर्नामेंट से हट जाने की धमकी दी, लेकिन 70 मिनट में ही सरेंडर कर दिया और यूएई के खिलाफ मुकाबला खेलने उतरी. अब आईसीसी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के खिलाफ एक्शन लेने की तैयारी कर रही है. आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने पीसीबी को आधिकारिक रूप से एक ईमेल भेजा है. पाकिस्तानी टीम ने आईसीसी के कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन किया, जिसका जिक्र इसमें किया गया है. आईसीसी पीसीबी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकती है.

एशिया कप खेल रहे इस क्रिकेटर के पिता का निधन... टूटा दुखों का पहाड़

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका ने अफगानिस्तान को छह विकेट से हराकर एशिया कप 2025 के सुपर-चार स्टेज में एंट्री ले ली. श्रीलंका के साथ-साथ ग्रुप-बी से बांग्लादेश भी अगले राउंड में पहुंच गया. जबकि अफगानिस्तान की टीम बाहर हो गई. ग्रुप-ए से भारत और पाकिस्तान की टीम्स पहले ही सुपर-चार स्टेज के लिए क्वालिफाई कर चुकी थी.

18 सितंबर को अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में हुए इस मुकाबले के दौरान श्रीलंकाई स्पिनर डुनिथ वेलालगे के लिए मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह बेहद कठिन पल रहे. पहले तो 22 वर्षीय वेलालगे के आखिरी ओवर में मोहम्मद नबी ने लगातार पांच छक्के लगाए. वही मैच के बाद उन्हें काफी दुखद खबर मिली. डुनिथ वेलालगे के पिता सुरंगा वेलालगे का हार्ट अटैक से निधन हो गया. सुरंगा वेलालगे 54 साल के थे. मैच खत्म होने के बाद डुनिथ वेलालगे को ये दुखद खबर मिली. मैच के बाद टीम मैनेजर ने डुनिथ वेलालगे को सांत्वना दी. एक तस्वीर भी वायरल हुई जिसमें टीम मैनेजर वेलालगे को गले लगाकर ढांढस बंधा रहे हैं. सुरंगा वेलालगे खुद भी एक क्रिकेटर रहे थे. उन्होंने श्रीलंका की एक प्रमुख स्कूल टीम की कप्तानी की थी. जब सुरंगा प्रिंस ऑफ वेल्स कॉलेज के कप्तान थे, तब दूसरी तरफ श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर रसेल अर्नोल्ड सेंट पीटर्स कॉलेज की कप्तानी करते थे.

एशिया कप

श्रीलंका से 6 विकेट से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हुई अफगानिस्तान

अबू धाबी, एजेंसी। एशिया कप 2025 के ग्रुप बी के आखिरी लीग मैच में श्रीलंका ने अफगानिस्तान को हरा दिया। गुरुवार को शेख जायद स्टेडियम में खेले गए मैच में कुसाल मेंडिस के बेहतरीन अर्धशतक के दम पर श्रीलंका ने 6 विकेट से मैच जीता। हार के साथ ही अफगानिस्तान एशिया कप 2025 से बाहर हो गई। 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 22 के स्कोर पर पाथुम निसांका का विकेट खो दिया। अहम मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज कुसाल मेंडिस ने बेहतरीन अर्धशतक लगाया। वह 52 गेंद पर 10 चौके की मदद से 74 रन बनाकर नाबाद रहे। मेंडिस को कुसाल परेरा (20 गेंद पर 28 रन), चरिथ असालंका (12 गेंद पर 17 रन) और कामिंदु मेंडिस (13 गेंद पर 26 रन) का अच्छा सहयोग मिला। श्रीलंका ने 18.4 ओवर में 4 विकेट पर 171 रन बनाए।

गांगुली, हरभजन, मोरे या फिर कोई चौंकाने वाला नाम? बीसीसीआई अध्यक्ष पर फैसला 20 सितंबर को

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड का अगला मुखिया कौन होगा, यह सवाल एक बार फिर सुर्खियों में है. औपचारिक चुनाव 28 सितंबर की एजीएम में होंगे, लेकिन असली फैसला 20 सितंबर की रात दिल्ली में होने वाली बैठक में निकलने की संभावना है.

भारतीय क्रिकेट में 28 सितंबर बड़ा दिन साबित हो सकता है, जब बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोल्ड) अपनी वार्षिक आम सभा में नए पदाधिकारियों का चुनाव करेगा. हालांकि असली फैसला उससे पहले ही हो जाने की उम्मीद है. सूत्रों के मुताबिक, 20 सितंबर की रात दिल्ली में होने वाली अहम बैठक में बीसीसीआई की अगली कमान किसे मिलेगी, इसका रास्ता साफ हो जाएगा.

अध्यक्ष के तौर पर रोजर बिन्नी का कार्यकाल जुलाई में उनके 70 वर्ष के होने पर समाप्त हो गया था. बिन्नी को अक्टूबर 2022 में बीसीसीआई अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और बोर्ड के संविधान में इस पद के लिए 70 वर्ष की आयु सीमा निर्धारित है. दिल्ली की बैठक में बीसीसीआई के भविष्य की तस्वीर तय की जाएगी. अबकी बार सौरव गांगुली का नाम चर्चा में है.

क्रिकेट खेलते-खेलते कैसे जैवलिन में भारत की शान बने सचिन? धोनी के शहर में पहली बार किया...

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियनशिप में जो कमाल किया है, उसके बाद सचिन यादव का नाम अब जुबां से जाएगा नहीं. सचिन यादव भले ही मेडल नहीं जीत पाए लेकिन जो किया है, उससे जैवलिन में भारत की उम्मीदों की लौ को और रोशनी दे दी है. टोक्यो के जिस स्टेडियम में नीरज चोपड़ा ने साल 2020 में भारत को ओलंपिक का गोल्ड मेडल दिलाया था. उसी जगह पर 2025 में सचिन यादव ने देश का परचम बुलंद किया है. उन्होंने एक बार नहीं, दो बार नहीं बल्कि तीन बार इतनी दूर तक भाला फेंक दिया, जितनी दूर नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम जैसे चैंपियन भी नहीं फेंक पाए. हालांकि, बहुत कम ही लोग ये जानते होंगे सचिन यादव के जैवलिन थ्रोअर बनने की कहानी.

सचिन यादव को जैवलिन की ओर मोड़ने वाले उनके एक पड़ोसी और साथी संदीप यादव थे. उन्होंने ही सचिन को अपने गांव में एक दोस्ताना मैच के दौरान देखा था. जब संदीप ने सचिन को देखा तो वो गेंदबाजी कर रहे थे और उनकी स्पीड भी अच्छी थी. वो देख संदीप यादव इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने सचिन को भाला फेंकने की सलाह दी. उन्होंने सचिन से कहा था कि उनकी कद-काठी लंबी है और कंधे की स्पीड भी अच्छी है. ऐसे में उन्हें भाला फेंकना चाहिए. सचिन के मुताबिक शुरू-शुरू में तो संदीप यादव ने ही उन्हें प्रशिक्षण दिया. लेकिन, फिर उन्हीं की सलाह पर ही उन्होंने नई दिल्ली जाकर जैवलिन थ्रो के जाने-माने कोच नवल सिंह के अंदर ट्रेनिंग लेनी शुरू की.

चेन्नई ओपन 2025: श्रीलंका के एन थंगराजा शीर्ष पर पहुंचे

चेन्नई। श्रीलंका के एन. थंगराजा गुरुवार को यहां कॉस्मो टीएनजीएफ गोल्फ कोर्स में खेले जा रहे एक करोड़ रुपये इनामी चेन्नई ओपन 2025 के तीसरे राउंड में टूर्नामेंट के न्यूनतम स्कोर नौ अंडर 63 की बराबरी करते हुए लीडरबोर्ड में शीर्ष पर पहुंच गए। तीसरे राउंड को मूविंग डे के रूप में भी जाना जाता है। थंगराजा (69-66-63), जो मध्यांतर तक संयुक्त चौथे स्थान पर थे, ने तीसरे दिन अच्छी शुरुआत की और तीन स्थान ऊपर चढ़कर 18-अंडर 198 के स्कोर के साथ एक शॉट की बढ़त बना ली। पीजीटीआई में पांच बार विजेता रहे थंगराजा, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में अपनी आखिरी जीत हासिल की थी, अब दूसरे स्थान पर काबिज मनु गंडास के साथ अपनी प्रतिद्वंद्विता फिर से शुरू कर रहे हैं, जिन्होंने तीन साल पहले चेन्नई ओपन में पिछले दिन पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए थंगराजा को हराया था। यह प्रतियोगिता भी कॉस्मो टीएनजीएफ

गोल्फ कोर्स में ही खेली गई थी। गुरुग्राम के मनु गंडास (66-68-65) ने त्रुटिरहित 65 का स्कोर बनाकर एक स्थान का सुधार किया और 17-अंडर 199 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए। दिल्ली के शौर्य भट्टाचार्य (67-65-69) तीसरे दिन 69 का स्कोर बनाने के बाद 15-अंडर 201 के स्कोर के साथ एक स्थान नीचे तीसरे स्थान पर खिसक गए।

चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा, जो एक शॉट से आधे रास्ते पर आगे चल रहे थे, गुरुवार को 71 के अपने राउंड के बाद 14-अंडर 202 के स्कोर के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर खिसक गए। अक्षय के साथ हनी बैसोया (66) संयुक्त चौथे स्थान पर रहे। इससे पहले, अधूरा दूसरा राउंड एक ओवर 145 के स्कोर के साथ पूरा हुआ। 57 पेशेवर खिलाड़ियों ने कट हासिल किया। इसके बाद स्थानीय समयानुसार सुबह 9ः10 बजे से तीसरा राउंड फिर से शुरू हुआ। 44 वर्षीय कोलंबो निवासी एन. थंगराजा ने तीसरे दिन शानदार 63 का स्कोर बनाया, जिससे उन्होंने टूर्नामेंट के सबसे कम स्कोर की बराबरी कर ली, जो अक्षय शर्मा ने पहले राउंड में और अनंत सिंह अहलावत ने दूसरे राउंड में बनाया था। थंगराजा के राउंड में 16वें राउंड में एक ईगल, आठ बर्डी और एक बोगी शामिल थी। उन्होंने अपने आयरन और वेजेज का बेहतरीन इस्तेमाल किया, जिससे उन्हें चार टैप-इन मिले, एक ईगल के लिए और तीन बर्डी के लिए। दिन का उनका सबसे लंबा पुट पांचवें राउंड में 20 फुट का बर्डी रूपांतरण था। थंगराजा ने कहा, आज मेरे अप्रोच शॉट और वेज शॉट बिलकुल सही थे। पहले दो राउंड में मुझे अपनी पुट लगाने में थोड़ी दिक्कत हुई, लेकिन आज यह ज्यादा मजबूत था, हालांकि मैंने ज्यादा लंबे पुट नहीं लगाए। उन्होंने कहा, मैं इस स्थान से अच्छी तरह वाकिफ हूं और इस जगह पर अपने घर जैसा महसूस करता हूं, क्योंकि मैंने पहले भी यहां अच्छा प्रदर्शन किया है। तीन साल बाद एक ही जगह पर लीडर ग्रुप में मनु के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करना बहुत अच्छा है। मैं इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं क्योंकि मैं अपने खेल को लेकर अच्छा महसूस कर रहा हूं, पिछले चार इवेंट्स में टॉप-15 में रहा हूं।

दैनिक प्रभात परिक्रमा

भोपाल, रविवार 21 सितंबर 2025

संक्षिप्त खबरें

क्लासरूम में पंखे बंद, दीवारों से टपक रही सीलन

फरीदाबाद। सेक्टर-16 स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय की कक्षाओं में लगे पंखे लंबे समय से बंद पड़े हैं। पर्याप्त वेंटिलेशन और कूलिंग व्यवस्था न होने से छात्र-छात्राएं पसीने से तरबतर होकर कक्षाओं में बैठने को मजबूर हैं।महाविद्यालय के पड़ताल करने पर पता चला कि न केवल पंखे बंद पड़े हैं, बल्कि कई क्लासरूम की दीवारें भी जर्जर हो चुकी हैं। जगह-जगह प्लास्टर झड़ रहा है और दीवारों पर सीलन के निशान साफ देखे जा सकते हैं। इससे न केवल पढ़ाई प्रभावित हो रहा है बल्कि छात्रों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। छात्रों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि कक्षाओं में बैठना किसी सजा से कम नहीं लगता है।

डॉक्टर के घर लाखों के गहने चुराए

फरीदाबाद। एसजीएम नगर में डॉक्टर के घर से लाखों रुपये के जेवर चोरी होने का मामला सामने आया है। थाना एसजीएम नगर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसजीएम नगर निवासी कुलदीप सिंह ने बताया कि वे पेशे से डॉक्टर हैं। 17 अगस्त की रात को वह अपने परिवार के साथ बाहर गए हुए थे। अगले दिन 18 की सुबह जब वे वापस आए तो घर का मुख्य ताला टूटा हुआ था और सारा सामान बिखरा पड़ा था। उन्होंने अंदर जाकर देखा तो करीब 80 हजार रुपये, सोने की चैन, कान के झुमके समेत कई गहने चोरी हो गए।

लोनी इंटर कॉलेज में भूकंप से बचाव के लिए हुई मॉकड्रिल

लोनी। भूकंप जैसी आपदा से बचने के लिए शुक्रवार को लोनी इंटर कॉलेज में राज्य आपदा प्रबंधन मॉकड्रिल की गई। इस दौरान छात्र-छात्राओं को भूकंप के दौरान सुरक्षित रहने के तरीकों के बारे में बताया गया। छात्रों और स्थानीय लोगों को आपदा की स्थिति के बारे में जागरूक कर जान माल से होने वाले नुकसान की जानकारी दी गई। मॉकड्रिल में एनसीसी छात्र-छात्राएं भी शामिल रहे। एसडीएम दीपक कुमार के निर्देश पर सायरन बजने पर भूकंप जैसी स्थिति को साकार कर सिविल डिफेंस और दमकल कर्मियों की टीम ने कक्षा में फंसे स्कूली छात्र-छात्राओं को सुरक्षित बाहर निकाला।

राजधानी का पहला गोबर आधारित बायोगैस संयंत्र आज होगा शुरू, सीएम रेखा गुप्ता करेंगी उद्घाटन

दिल्ली : राजधानी में अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नई पहल शुरू होने जा रही है। नजफगढ़ रोड स्थित नंगली डेयरी कॉलोनी में तैयार किया गया दिल्ली का पहला गोबर आधारित बायोगैस संयंत्र तैयार हो गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को इसका शुभारंभ करेंगी।

नंगली और उसके पास ककरोला डेयरी कालोनी में लगभग 20,000 से अधिक मवेशी हैं जिनसे प्रतिदिन करीब 200 मीट्रिक टन गोबर व अपशिष्ट उत्पन्न होता है। लंबे समय से यह गोबर सड़कों, नालों और आसपास के क्षेत्रों में गंदगी फैलाने व बदबू का कारण बन रहा था। इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए एमसीडी ने 2018 में

बायोगैस संयंत्र की योजना बनाई थी। इसके लिए 17 दिसंबर 2018 को परियोजना का कार्य मेसर्स सीईआईडी कंसल्टेंट एंड इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड को डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण मॉडल पर सौंपा गया।

परियोजना को आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय की शहरी विकास निधि से आंशिक वित्तपोषण प्राप्त हुआ है। संयंत्र के लिए नंगली डेयरी कॉलोनी में 2.72 एकड़ भूमि आवंटित की गई। इस पर लगभग 16 करोड़ रुपये की लागत आई। यह बायोगैस संयंत्र प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले 200 मीट्रिक टन गोबर से बायोगैस तैयार करेगा जिसे ऊर्जा उत्पादन में इस्तेमाल किया जा सकेगा। इससे न केवल डेयरी कॉलोनी में साफ-सफाई की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी बल्कि पर्यावरण को भी फायदा होगा। परियोजना से आसपास के इलाकों में बदबू और प्रदूषण में कमी आने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

बड़ी डेयरियों में भी संयंत्र स्थापित किए जाएंगे

यह दिल्ली का पहला गोबर बायोगैस प्लांट है जिसे एक मॉडल परियोजना के रूप में देखा जा रहा है। स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि यह प्रयोग सफल होने पर अन्य बड़ी डेयरियों में भी इसी तरह के संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। इससे एक ओर अपशिष्ट निपटान का स्थायी समाधान मिलेगा तो दूसरी ओर हरित ऊर्जा उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा।

निमंत्रण पत्र में प्रोटोकॉल उल्लंघन किया

नंगली डेयरी कॉलोनी में तैयार दिल्ली के पहले गोबर बायोगैस संयंत्र के उद्घाटन के संबंध में एमसीडी की ओर छपाए गए निमंत्रण पत्र ने विवाद खड़ा कर दिया है। अधिकारियों ने प्रोटोकॉल की गंभीर अनदेखी की है। पत्र में डिप्टी मेयर, स्थायी समिति की अध्यक्ष और नेता सदन के नाम ऊपर-नीचे लिखे गए हैं। इसके अलावा उनसे ऊपर विधायक और आयुक्त का नाम छापा गया है। इस पर कई पार्षदों और पदाधिकारियों ने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह परंपरा के खिलाफ है। पदाधिकारियों को दरकिनार कर अधिकारियों और विधायकों को तरजीह देना निंदनीय है। इस मामले में एमसीडी के पदाधिकारियों ने अधिकारियों से जवाब मांगने की तैयारी शुरू कर दी है।

डूसू चुनाव : NSUI की हार से कांग्रेस के लिए अभी दिल्ली दूर, पूरी ताकत झोंकने के बावजूद उपाध्यक्ष पद ही मिला

नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव के नतीजों से संकेत मिला है कि राजधानी की राजनीति में कांग्रेस की वापसी की राह अभी लंबी है। एबीवीपी की प्रचंड जीत और एनएसयूआई की कमजोर मौजूदगी से कांग्रेस का मजबूत गढ़ मानी जाने वाली छात्र राजनीति उससे लगभग पूरी तरह छिन चुकी है। इस बार कांग्रेस का छात्र संगठन केवल उपाध्यक्ष पर पर ही जीत सका, जबकि गत वर्ष वह अध्यक्ष व संयुक्त सचिव पद जीतने में सफल हो गया था। डूसू में कभी निर्णायक भूमिका निभाने वाली एनएसयूआई लगातार हाशिये पर जा रही है। इस बार के चुनाव में भी वह छात्रों के बीच प्रभावशाली प्रदर्शन करने में नाकाम रही। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह केवल चुनावी नतीजे नहीं, बल्कि दिल्ली की जमीनी राजनीति का संकेत भी है। छात्र राजनीति से ही भविष्य के नेता तैयार होते हैं और कांग्रेस के लिए लोकसभा, विधानसभा व एमसीडी चुनाव के बाद इस मोर्चे पर लगातार पराजय चिंता का विषय है। एनएसयूआई की लगातार हार से स्पष्ट है कि कांग्रेस का संगठन युवाओं के बीच पकड़ बनाने में असफल रहा है। दिल्ली में लंबे समय तक सत्ता में रहने के दौरान छात्र राजनीति उसका महत्वपूर्ण सहारा हुआ करती थी। विश्वविद्यालय की

राजनीति से ही कांग्रेस ने कई मजबूत चेहरे तैयार किए, लेकिन पिछले एक दशक में उसका यह आधार तेजी से कमजोर हो रहा है। इस पराजय का असर आने वाले एमसीडी चुनाव में भी देखा जा सकता है। एनएसयूआई के पास न तो प्रभावी नेतृत्व दिख रहा है न ही कैंपस में सक्रिय संगठनात्मक ताकत है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर कांग्रेस ने समय रहते अपनी छात्र इकाई को पुनर्जीवित करने और युवाओं से जुड़ने की ठोस रणनीति नहीं बनाई तो दिल्ली की राजनीति में उसकी स्थिति सुधरनी मुश्किल है।

आरएसएस-भाजपा के खिलाफ बहादुरी से लड़े

नई दिल्ली। एनएसयूआई ने कहा कि आरएसएस-भाजपा और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी। डूसू चुनाव में उपाध्यक्ष पद पर राहुल झांसला ने जीत हासिल की है। यह जीत एक कठिन संघर्ष के बाद मिली है। एनएसयूआई ने केवल एबीवीपी का ही नहीं बल्कि विश्वविद्यालय प्रशासन, दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार, आरएसएस-भाजपा और दिल्ली पुलिस जैसी संयुक्त ताकतों का भी डटकर मुकाबला किया। एनएसयूआई के अनुसार भारी पैमाने पर सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के बावजूद हजारों छात्रों ने एनएसयूआई और उसके उम्मीदवारों का मजबूती से साथ दिया।

एनएसयूआई अध्यक्ष वरुण चौधरी ने कहा कि हमें अपने उम्मीदवारों पर गर्व है जिन्होंने यह चुनाव साहस और ईमानदारी के साथ लड़ा। आरएसएस-भाजपा समर्थित एबीवीपी ने चुनाव अधिकारियों की मदद से ईवीएम में गड़बड़ी और प्रोफेसरों को शामिल कर चुनाव चोरी करने की शर्मनाक कोशिश की।

अदालत ने विजय जुलूस पर लगा दी थी रोक

अदालत ने अपने 17 सितंबर के आदेश में दिल्ली विश्वविद्यालय के उम्मीदवारों और छात्र संगठनों को डूसू चुनाव के नतीजों की घोषणा के बाद राष्ट्रीय राजधानी में कहीं भी विजय जुलूस निकालने पर रोक लगा दी थी। याचिकाकर्ता, अधिवक्ता प्रशांत मनचंदा ने पीठ के सामने कई तस्वीरें और समाचार रिपोर्ट साझा कीं और न्यायिक आदेश और लिंगदोह समिति की सिफारिशों के उल्लंघन का दावा किया।

कांकरोला में बने 12 अवैध गोदामों को तोड़ा

गुरुग्राम। जिला नगर योजनाकर विभाग की प्रवर्तन शाखा ने शुक्रवार को कांकरोला गांव में अवैध गोदामों पर बड़ी कार्रवाई की। टीम ने 12 गोदामों को तोड़ दिया। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। डीटीपीई अमित मधोलिया ने बताया कि प्रशासन की मदद से मानेसर तहसील के कांकरोला गांव की राजस्व संपदा में बड़ा ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि आठ सितंबर को तोड़फोड़ के दौरान टीम पर कुछ लोगों ने पथराव किया था। ऐसे में शुक्रवार को टीम के साथ 200 पुलिसकर्मी और ड्यूटी मजिस्ट्रेट तहसीलदार मानेसर मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि सात एकड़ भूमि पर गोदाम व औद्योगिक कॉलोनी अवैध रूप से बनी हुई थी। टीम ने 12 अवैध गोदामों को ध्वस्त कर दिया है। उनका कहना है कि यह स्थल सेक्टर 87 में आता है जो सार्वजनिक और अर्ध-सार्वजनिक उपयोग के लिए निर्धारित है। विभाग की ओर से अवैध कब्जों पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

सेक्टर-57 और सुखराली रोड पर बुलडोजर ने अवैध कब्जे हटाए

गुरुग्राम। अवैध कब्जों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) और गुरुग्राम नगर निगम (एमसीजी) ने पुलिस बल के साथ मिलकर सेक्टर-57 और सुखराली रोड पर तोड़फोड़ अभियान चलाया। एमजी रोड स्थित सुखराली रोड पर अवैध कब्जों से रोज जाम लगता था। जीएमडीए व नगर निगम की टीम ने सेक्टर-57 में निजी और सरकारी दोनों जमीनों पर बड़े पैमाने पर संयुक्त अभियान चलाया जहां 250 झुग्गियां, 50 कमरे और 25 दुकानें ध्वस्त की गईं। अतिक्रमण से मुक्त हुई जमीन को जल्द ही हरित पट्टी के रूप में पुनर्विकसित किया जाएगा। वहीं, सुखराली रोड पर जीएमडीए, एमसीजी और यातायात पुलिस के सहयोग से सड़क पर जाम का कारण बन रहे अवैध शेड और रैंप को ध्वस्त कर दिया। सड़क के दोनों ओर 25 दुकानों के आसपास लगभग 10-10 फीट तक का अतिक्रमण हटाया गया। इस कार्रवाई से आने वाले दिनों में यातायात सुचारु रूप से चलेगा और इस मार्ग पर भीड़भाड़ कम होगी। जीएमडीए के डीटीपी आरएस बाठ ने कहा कि शहर में अवैध कब्जे करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। आगे भी इस प्रकार के अभियान चलाए जाएंगे।

नकाबपोश बदमाशों ने एमएनआर बिल्डर के कार्यालय पर की ताबड़तोड़ फायरिंग

गुरुग्राम। सेक्टर-45 में बृहस्पतिवार रात को मोटरसाइकिल पर आए नकाबपोश हथियारबंद बदमाशों ने एमएनआर बिल्डर के कार्यालय पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। हमलावरों ने 20 से 25 गोलियां चलाईं। कार्यालय में खड़ी लग्जरी गाड़ियों तक को निशाना बनाते हुए उन पर गोलियां बरसाई गईं। इससे कार्यालय में मौजूद लोगों में हड़कंप मंच गया। वह इधर-उधर छिपने की कोशिश करते रहे। गनीमत यह रही कि इस दौरान गोली किसी भी व्यक्ति को गोली नहीं लगी। पुलिस की विभिन्न टीमें आरोपियों को गिरफ्तार करने में जुट गई हैं। आसपास के क्षेत्र की सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है। वारदात के कुछ देर बाद सिंगर राहुल फाजिलपुरिया पर फायरिंग करवाने वाले गैंगस्टर दीपक नांदल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी करते हुए हमले की जिम्मेदारी ली। पोस्ट में दीपक नांदल ने दावा किया है कि एमएनआर बिल्डर के कार्यालय पर गोलियां उसने चलवाई हैं। कहा कि रोहित रहेजा के रिश्तेदार नितिन तलवार पर 2019 से रुपये बकाया हैं। नांदल ने पोस्ट में कहा कि रकम न चुकाने के लिए नितिन तलवार अपना परिवार लेकर न्यूजीलैंड भाग गया।

दिल्ली में कई स्कूलों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी, मौके पर पहुंची पुलिस

नई दिल्ली : दिल्ली के स्कूलों को बम की धमकी मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को एक बार फिर से कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इनमें डीपीएस द्वारका, कृष्णा मॉडल पब्लिक स्कूल और सर्वोदय विद्यालय शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक, बम निरोधक दस्तों के साथ पुलिस की टीमें स्कूलों में पहुंच गई हैं। एहतियात के तौर पर छात्रों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और परिसर की गहन तलाशी ली जा रही है। हालांकि जांच में अभी तक कुछ संदिग्ध नहीं मिला है।

इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट को पांच सितारा होटल ताज पैलेस को भी बम से उड़ने की धमकी मिली थी। ई-मेल भेजकर धमकी दी गई थी। पुलिस ने डॉग स्क्वाड, बम निरोधक दस्ते आदि से चेकिंग करवाई। लेकिन पुलिस को कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था।

इस साल जनवरी से लेकर अगस्त के बीच 100 से ज्यादा स्कूलों को मिल चुकी हैं ऐसी ही धमकी

दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से अगस्त के बीच दिल्ली-एनसीआर के करीब 100 से ज्यादा शैक्षणिक संस्थानों को ऐसी ही धमकियां मिल चुकी हैं। इनमें डीपीएस वसंत विहार, अमेटी स्कूल साकेत, सलवान पब्लिक स्कूल, मॉडर्न स्कूल, वसंत वैली स्कूल, सेंट स्टीफंस कॉलेज और श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) जैसे संस्थान शामिल हैं।

जुलाई में चार दिनों में 50 से ज्यादा स्कूलों को मिली थी धमकी

जुलाई में चार दिनों में 50 से ज्यादा स्कूलों को बम की झूठी धमकी मिली थी। 17 जुलाई को पुलिस ने एक 12 वर्षीय बच्चे को गिरफ्तार किया था, जिसने सेंट स्टीफंस कॉलेज और सेंट थॉमस स्कूल को धमकी ई-मेल भेजा था।

गोल चक्कर की दीवार से टकराई कारोबारी की कार

फरीदाबाद। बीके चौक पर देर रात कारोबारी की मर्सिडीज बेंज कार गोल चक्कर की दीवार से टकरा गई। बताया जा रहा है कि कार का टायर फटने की वजह से यह हादसा हुआ। घटना के समय कारोबारी अपने परिवार के साथ घर जा रहे थे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जाम खुलवाया और कार को थाने ले गई।

पुलिस ने मिली जानकारी के अनुसार कारोबारी जैसे ही वह बीके अस्पताल के पास गोल चक्कर से कार मोड़ रहे थे। तभी उनकी गाड़ी का टायर फट गया। जिसके कारण कार असंतुलित होकर गोल चक्कर की दीवार से टकरा गई। हादसे के वक्त कार में पति-पत्नी सहित 2 बच्चे बैठे हुए थे। हादसे के बाद आस-पास मौजूद लोगों ने सभी को बाहर निकाला।

कार को मौके पर छोड़कर नंबर प्लेट लेकर गया कारोबारी

हादसे के बाद कारोबारी ने कार में मौजूद सभी जरूरी कागजात निकाले और मौके पर मर्सिडीज को छोड़कर

चला गया। लोगों ने बताया कि कारोबारी कार की अगली और पिछली दोनों नंबर प्लेट भी अपने साथ ले गया। हादसे के बाद चौक पर जाम लग गया। पुलिस ने मौके पर पहुंच जाम खुलवाया। कार का रजिस्ट्रेशन हिमाचल के पालमपुर में कराया गया है।

पुलिस प्रवक्ता यशपाल का कहना है कि इस हादसे में किसी को कोई चोट नहीं लगी है। वहीं जो नंबर प्लेट ले जाने की बात है वह उनके संज्ञान में नहीं है।

लोन के नाम पर 2.33 लाख की ठगी

फरीदाबाद। प्रेम नगर में रहने वाले एक युवक के साथ लोन के नाम पर 2 लाख 33 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। थाना साइबर बल्लभगढ़ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रेम नगर बल्लभगढ़ निवासी मोहन ने बताया कि वह सेक्टर-28 स्थित निजी कंपनी में काम करते हैं। उन्होंने कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर लोन लेने के लिए कुछ वेबसाइट को सर्च किया था। उनके पास 28 अगस्त को लोन के लिए एक कंपनी से फोन आया। आरोपियों ने उनको मुद्रा लोन के बारे में बताया और उन्होंने उनके ऑफर को स्वीकार कर लिया। आरोपी ने उनको कहा कि लोन का इंश्योरेंस करवाना होगा जिसके लिए उनको 42 हजार 700 रुपये देने होंगे। उन्होंने आरोपी के बताए हुए खाते में रुपये डाल दिए। उसके बाद आरोपियों ने उनको बताया कि उनका खाता जो केनरा बैंक में है, उसमें लोन के पैसे नहीं आ रहे हैं। इसलिए उनको एफडीआई बैंक में खाता खुलवाना होगा। पीड़ित ने एफडीआई बैंक में खाता खुलवाने के लिए 71 हजार रुपये दे दिए। बैंक में खाता खोलने के बाद उनके पास एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने उनको कहा कि बैंक की जो किट है।

उमस वाली गर्मी में बिजली कटौती ने छुड़ाया पसीना

साहिबाबाद। दो दिनों से जहां गर्मी बढ़ी है वहीं बिजली ने लोगों को झटके देने शुरू कर दिए हैं। उमस भरी गर्मी में बृहस्पतिवार देर रात और शुक्रवार को कई इलाकों में चार से पांच घंटे की बिजली कटौती से लोग परेशान रहे। कुछ जगहों पर हाई वोल्टेज के कारण उपकरण भी फुंक गए। इसके चलते लोगों को काफी परेशानी हुई।

इंदिरापुरम में बृहस्पतिवार देर रात बिजली की लाइन में फॉल्ट आने की वजह से बिजली कटौती की समस्या रात के समय ज्यादा परेशान कर रही है। बृहस्पतिवार देर रात अभयखंड-1 में चार घंटे से अधिक समय तक फ्लक्चुएशन की समस्या रही। स्थानीय निवासी सुशील चौहान ने बताया कि हर 5-10 मिनट बाद वोल्टेज ऊपर-नीचे जा रहे थे। इस कारण नींद खुल गई। पड़ोसी के घर का पानी का मोटर फुंक गया और एसी भी खराब हो गया। सुबह शिकायत की लेकिन फिर भी समस्या बनी रही। इसके बाद उच्चाधिकारियों को बताया और व्हाट्सएप ग्रुपों पर डाला जिसके बाद टीम आई और समस्या का समाधान किया। अभयखंड एचआईजी निवासी मीना भंडारी ने बताया कि रात के बाद दिन में भी समस्या हुई। सुबह होते ही लाइट गुल हो गई थी। इस कारण पानी भी नहीं भर पाए। इंद्रप्रस्था कॉलोनी में भी बृहस्पतिवार रात को करीब पांच घंटे बिजली गुल रही। स्थानीय निवासी सतीश भारद्वाज का कहना है कि रात के समय की कटौती ने परेशान कर रखा है। स्थानीय निवासी मीना वर्मा ने कहा कि अधिकारी आश्वासन देते हैं और आए दिन टीम आकर कोई न कोई काम करती है लेकिन समस्या जस की तस है। तुलसी निकेतन, भोपुरा, डिफेंस कॉलोनी, वसुंधरा, राजेंद्रनगर और बृज विहार समेत कई इलाकों में भी तीन घंटे तक बिजली गुल रही।

जोन तीन के मुख्य अभियंता दीपक अग्रवाल का कहना है कि अभयखंड-1 से शिकायत मिली थी। टीम भेजकर समस्या को दूर कर दिया गया।

भाई-बहन की जोड़ी विश्व चैंपियनशिप ट्रायल के अंतिम दौड़ में

फरीदाबाद। मिस्त्र में नवंबर में होने वाली सीनियर विश्व शूटिंग चैंपियनशिप के लिए भोपाल में चल रहे ट्रायलों में जिले के दो भाई-बहनों की जोड़ी ने ट्रायल के अंतिम दौड़ में प्रवेश कर लिया है। कई अंतरराष्ट्रीय पदक हासिल कर चुके आदर्श और उनकी बहन रिया सिंह ने 25 मीटर एयर पिस्टल में जगह बनाई है। अब रिया और आदर्श मिस्त्र में होने वाली विश्व शूटिंग चैंपियनशिप में जगह बनाने से महज एक कदम दूर हैं। अंतिम दौड़ के ट्रायल के मुकाबले 20 सितंबर को होंगे, जिनके नतीजे 21 सितंबर तक आने की उम्मीद है। खिलाड़ियों के पिता हरेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों ही बच्चे शुरू से ही शूटिंग में अव्वल रहे हैं। इनमें आदर्श पहले भी कई अंतरराष्ट्रीय पदक अपने नाम कर चुका है। अब दोनों भाई-बहन एक साथ ट्रायल के अंतिम दौड़ में पहुंचे हैं। उम्मीद है कि दोनों विश्व चैंपियनशिप में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि रिया सिर्फ खेल ही नहीं वह पढ़ाई में भी अव्वल हैं। शूटिंग के साथ-साथ एमए करके वह यूपीएससी की तैयारी भी कर रही हैं।

दिल्ली में महिला कामगारों की हिस्सेदारी बढ़ी पर मजदूरी पुरुषों से कम, होगा सुधार

दिल्ली : दिल्ली में बीते कई साल के मुकाबले महिला कामगारों की आबादी में इजाफा हुआ है लेकिन मजदूरी पुरुषों से कम है। दिल्ली सरकार की दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं की श्रम बल भागीदारी बढ़ी है लेकिन उनकी दैनिक मजदूरी पुरुषों से कम बनी हुई है।

यह रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) की प्रगति पर नजर रखने के लिए डायरेक्टोरेट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स ने जारी की है। दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की स्थिति पर आधारित है और हाल ही में अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय ने इसे जारी किया है। रिपोर्ट दिखाती है कि 2017-18 में महिलाओं और पुरुषों की श्रम बल भागीदारी

दर का अनुपात 0.19 था। यह आंकड़ा 2023-24 में बढ़कर 0.28 हो गया।

यह वृद्धि सकारात्मक है लेकिन 0.28 का अनुपात यह भी दिखाता है कि लैंगिक असमानता अभी बनी हुई है। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट दिखाती है कि महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 11.2 फीसदी थी, 2023-24 में बढ़कर 14.5 फीसदी हो गई। यह 2018-19 में 13.7 फीसदी, 2019-20 में 12.8 फीसदी, 2020-21 में 10.7 फीसदी, 2021-22 में 9.4 फीसदी और 2022-23 में 11.3 फीसदी थी।

मजदूरी के आंकड़े चिंताजनक

गैर-सार्वजनिक कामों में 2017-18 की जुलाई-सितंबर तिमाही में पुरुषों को 403 रुपये हर दिन और महिलाओं को 300 रुपये मिल रहे थे। 2017-18 की अप्रैल-जून तिमाही में पुरुषों को 376 रुपये हर दिन व महिलाओं को 400 हर दिन, 2023-24 में पुरुषों को 556 रुपये हर दिन व महिलाओं को 500 रुपये हर दिन मिल रहे थे। 2023-24 में यह 548 और 500 रुपये मिल रहा था। इसमें दिखता है कि महिलाओं की मजदूरी बढ़ी लेकिन मजदूरी का अंतर 48 से 100 रुपये का बरकरार है।

पेशेवर क्षेत्र में महिलाओं की संख्या घटी

पेशेवर और तकनीकी क्षेत्र में महिला कामगारों की संख्या घटी है। इस क्षेत्र में 2020-21 में महिलाओं का अनुपात 28.5 फीसदी था, जोकि 2022-23 में 21.3 फीसदी रह गया है। रिपोर्ट में महिलाओं के आर्थिक संसाधनों में हिस्सेदारी का मूल्यांकन किया गया है। इसमें जमीन, संपत्ति, बैंक सेवाएं, उत्तराधिकार और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण को शामिल किया है। लेकिन इसमें ये भी कहा गया है कि महिला कामगारों के लिए दिल्ली सरकार कानूनों में सुधार कर रही है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र. से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो. 9425023929, समाचार सम्पादक :- सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)